प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष पेड्रो सांचेज ने 28 अक्टूबर, 2024 को गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड परिसर में सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:318 दिनांक:29-10-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

रोहतक से दिल्ली जा रही एक पैसेंजर ट्रेन में संदिग्ध परिस्थितियों में विस्फोट हो गया। जानकारी के मुताबिक, विस्फोट की वजह से एक बोगी में आ लग गई। इस हादसे में चार यात्री गंभीर रूप से झुलस गए। यात्रियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है

भारत का रक्षा विनिर्माण पारिस्थिति की तंत्र नई ऊंचाइयों को छू रहा है: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके स्पेनिश समकक्ष पेड्रो सांचेज ने 28 अक्टूबर, 2024 को गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) परिसर में सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

पीएम मोदी ने कहा कि स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज की यह पहली भारत यात्रा है और दोनों देशों के बीच साझेदारी आज नई दिशा पा रही है। सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे न केवल दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होंगे, बल्कि 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' मिशन को भी गति मिलेगी। मोदी ने इस अवसर पर एयरबस और टाटा की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने स्वर्गीय श्री रतन टाटा जी को भी श्रद्धांजलि दी।

पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सी-295 विमान का कारखाना नए भारत की नई कार्य संस्कृति का प्रतिबिंब है और कहा कि देश में किसी भी परियोजना के विचार से लेकर क्रियान्वयन तक भारत की गति यहां देखी जा सकती है। अक्टूबर 2022 में कारखाने की आधारशिला रखने को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सुविधा अब सी-295 विमान के उत्पादन के लिए तैयार है। परियोजनाओं की योजना और निष्पादन में बेहिसाब देरी को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में वडोदरा में बॉम्बार्डियर ट्रेन कोच निर्माण सुविधा की स्थापना को याद किया और कहा कि यह कारखाना उत्पादन के लिए रिकॉर्ड समय में तैयार हुआ था। उन्होंने कहा, ''इस कारखाने में बने मेट्रो कोच आज दूसरे देशों को निर्यात किए जा रहे हैं।'' मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि आज उद्घाटन की गई सुविधा में बने विमान भी निर्यात किए जाएंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि जैसे ही हम लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं, लक्ष्य की ओर जाने वाला रास्ता अपने आप बन जाता है। भारत का रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र आज नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि अगर 10 साल पहले ठोस कदम नहीं उठाए गए होते तो आज इस लक्ष्य तक पहुंचना असंभव होता। उन्होंने कहा कि एक दशक पहले रक्षा विनिर्माण की प्राथमिकता और पहचान आयात तक सीमित थी और कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि भारत में इतने बड़े पैमाने पर रक्षा विनिर्माण हो सकता है।

जेपीसी बैठक में दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रजेंटेशन पर हंगामा

विपक्षी दलों के सांसदों ने किया बहिष्कार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोमवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रजेंटेशन को लेकर हुई जेपीसी की बैठक में विपक्षी सांसदों से एक बार फिर जमकर हंगामा किया। वक्फ पैनल की बैठक का विपक्षी दलों के सांसदों ने बहिष्कार और वॉकआउट किया। इससे पहले पिछले हफ्ते भी बैठक में विपक्ष ने तीखे तेवर दिखाए थे। विपक्षी सांसदों ने दावा किया कि कमेटी के सामने पेश हुए दिल्ली वक्फ बोर्ड एडमिनिस्ट्रेशन ने दिल्ली सरकार की जानकारी के बिना प्रेजेंटेशन में बदलाव किए हैं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, द्रमुक के मोहम्मद अब्दुल्ला, कांग्रेस के नसीर हुसैन और मोहम्मद जावेद समेत अन्य लोग बैठक से बाहर चले गए। विपक्षी सांसदों का आरोप है कि एमसीडी कमिश्नर और दिल्ली वक्फ बोर्ड प्रशासक अश्विनी कुमार ने मुख्यमंत्री की मंजूरी के बिना वक्फ बोर्ड की शुरुआती रिपोर्ट में बदलाव कर दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने जेपीसी अध्यक्ष को पत्र लिखा है, उन्होंने वक्फ बिल पर जेपीसी को सौंपी गई दिल्ली की वक्फ रिपोर्ट को अमान्य और शून्य घोषित किया है। आतिशी ने जगदंबिका पाल को लिखे पत्र में कहा कि दिल्ली वक्फ बोर्ड द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर किसी भी प्रेजेंटेशन को रद्द करें।

पुलिस ने संदिग्ध बांग्लादेशी समेत फर्जी आधार बनवाने वाले को किया गिरफ्तार

जयपुर,(ईएमएस)। जयपुर पुलिस ने 12 संदिग्ध बांग्लादेशी को पकड़ने के बाद अपना अभियान और तेज कर दिया है। भांकरोटा थाना पुलिस ने एक संदिग्ध बांग्लादेशी और जाली दस्तावेज बनवाने वाले साथी को सोमवार सुबह गिरफ्तार किया। पुलिस ने संदिग्ध के पास से फर्जी आधार कार्ड बरामद किया है, जिसमें 45 साल के संदिग्ध बांग्लादेशी की उम्र 18 साल लिखी है। पुलिस पूछताछ में कई अहम खुलासे होने के साथ ही फरार आरोपियों की तलाश में जगह-जगह दबिश दी जा रही है।

माउंट एवरेस्ट को लेकर विशेषज्ञ क्यों जता रहे इस तरह की चिंता

नई दिल्ली (ईएमएस)। माउंट एवरेस्ट वर्तमान में धरती का सबसे ऊंचा पर्वत है, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि यह हमेशा ऐसा नहीं रहेगा। इसका कारण है धरती की प्लेटों का टेक्टोनिक मूवमेंट और आसपास का इरोजन इसका मुख्य कारण है। जब टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं, तब एक प्लेट दूसरी के नीचे जाकर उसे ऊपर उठाती है, जिससे पहाड़ों की ऊंचाई में परिवर्तन होता है। इस प्रक्रिया से हर साल एवरेस्ट की ऊंचाई लगभग एक इंच बढ़ रही है। स्टडी के अनुसार, एवरेस्ट से 72 किलोमीटर दूर स्थित एक नदी नेटवर्क के कारण इरोजन हो रहा है, जिससे एवरेस्ट पिछले 89,000 वर्षों में 49 से 164 फीट तक ऊंचा हो गया है।

एवरेस्ट का पड़ोसी और दुनिया का नौवां सबसे ऊंचा पर्वत नंगा पर्वत भी तेजी से ऊंचाई हासिल कर रहा है। नंगा पर्वत पर इरोजन और अपलिफ्ट की दर अधिक होने से इसके भविष्य में एवरेस्ट से ऊंचा होने की संभावना है। वर्तमान में यह एवरेस्ट से करीब 2,000 फीट ही कम ऊंचाई पर है।

जानकारों का मानना है कि हिमालय के नीचे मौजूद टेक्टोनिक प्लेट्स की सक्रियता के कारण आने वाले करोड़ों साल तक हिमालय के पहाड़ ऊंचाई में बढ़ते रहने वाले है। ठंडे क्रस्ट के कारण ये और ऊंचे उठ सकते हैं, जबकि मॉनसून के कारण इरोजन का प्रभाव भी बना रहता है। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी बताते हैं कि अगर कोई पर्वत एवरेस्ट से कुछ सौ मीटर ऊंचा हो भी जाए, तब यह संभव है, लेकिन 10 किलोमीटर ऊंचा होना थोड़ा मुश्किल और डरावना परिदृश्य होगा।

बदल गया जनगणना का चक्र, अगले साल होगी शुरुआत

जाति नहीं सम्प्रदाय पूछेंगे जनगणना में

-जणगणना में धर्म और वर्ग के बारे में पूछा जाता है, लेकिन इस बार यह पूछा जाएगा कि वे किस संप्रदाय को मानते हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। दस साल बाद देश में होने वाली जनगणना अगले साल 2025 से शुरू होकर एक साल तक चलेगी। इस जनगणना की खास बात यह हो सकती है कि गणना के दौरान धर्म और वर्ग के बारे में पूछने के बजाय यह पूछा जाए कि वे किस संप्रदाय को मानते हैं।

भारत में हर दस साल बाद देश में जनगणना होती है। इस बार जनगणना 2021 में होना थी लेकिन कोरोना की वजह से इसे टाल दिया गया। माना जा रहा है कि इस बार जनगणना जाति के बजाय संप्रदाय के आधार पर की जा सकती है। जनगणना में धर्म और वर्ग को ध्यान में रखा जाता है, लेकिन इस बार लोगों से यह भी पूछा जा सकता है कि वे किस संप्रदाय को मानते हैं। गौरतलब है कि कई राजनीतिक दलों ने जातिगत आधार पर जनगणना करने की मांग की थी, जिसे सरकार ने नकार दिया है। लेकिन जनगणना होना आवश्यक है, इसलिए उसे सांप्रदायिक तौर पर कराया जा सकता है। जनगणना के बाद लोकसभा सीटों के परिसीमन का रास्ता साफ हो जाएगा। भारत में पहली जनगणना 1872 में हुई थी। स्वतंत्रता के बाद 1951 में जनगणना की गई और आखिरी जनगणना 2011 में दर्ज की गई थी। जनगणना के आंकड़े भारत सरकार के लिए नीति निर्माण और कार्यान्वयन तथा देश में संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

2028 तक पूरा होगा परिसीमन

लोक सभा सीटों का परिसीमन जनगणना पूरी होने के बाद शुरू होगा। परिसीमन प्रक्रिया 2028 तक पूरी होने की संभावना है। दरअसल, कई विपक्षी दलों की तरफ से जातिगत जनगणना की मांग भी की जा रही है, लेकिन सरकार ने अभी इस बारे में फैसला नहीं किया है।

इस मांग पर सरकार कर रही विचार

अब तक जनगणना में धर्म और वर्ग पूछा जाता रहा है। साथ ही सामान्य, अनुसूचित जाति और जनजाति की गणना होती है। लेकिन इस बार लोगों से यह भी पूछा जा सकता है कि वे किस संप्रदाय के अनुयायी हैं। उदाहरण के तौर पर कर्नाटक में सामान्य वर्ग में आने वाले लिंगायत स्वयं को अलग संप्रदाय के मानते हैं। इसी तरह अनुसूचित जाति में वाल्मीकि, रविदासी, जैसे अलग-अलग संप्रदाय हैं। यानी धर्म, वर्ग के साथ संप्रदाय के आधार पर भी जनगणना की मांग पर सरकार विचार कर रही है।

जातिगत जनगणना पर अभी फैसला नहीं!

केंद्र सरकार ने फिलहाल जनगणना के साथ जातिवार जनगणना कराने को लेकर औपचारिक फैसला नहीं किया है। लेकिन विपक्ष की ओर से जातिवार जनगणना को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश को देखते हुए मोदी सरकार जातिवार जनगणना कराने का फैसला ले सकती है। क्योंकि सरकार भी चाहती है कि एक तो इस मुद्दे पर एनडीए में कोई मतभेद न हो साथ ही सभी धर्मों की आबादी में मौजूद जाति व्यवस्था की जड़ों का भी पता चल सके। फिर अगर आरक्षण सहित किसी भी सुविधा के लिए कोई विशेष योजना चलानी हो तो ट्रिपल टेस्ट का पहला और अहम टेस्ट इसी मुहिम के साथ पूरा हो जाएगा।

राष्ट्रपति भवन सहित देश के प्रमुख भवनों और स्मारकों को लाल रंग से सजाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। मस्तिष्क द्वारा लिखित भाषा को संसाधित करने और सीखने में बाधा उत्पन्न करने वाली निःशक्तता-डिस्लेक्सिया के बारे में देशभर में जागरूकता बढाने के अभियान एक्ट फॉर डिस्लेक्सिया के अंतर्गत राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, उत्तर और दक्षिण ब्लॉक और इंडिया गेट सहित दिल्ली सरकार के उच्चतम कार्यालयों और प्रमुख स्मारकों को लाल रंग से रोशन किया है। यह अभियान पटना, रांची, जयपुर, कोहिमा, शिमला और मुंबई सहित प्रमुख शहरों में चलाया गया। इसमें डिस्लेक्सिया और सीखने की अन्य अक्षमताओं को विवेकपूर्ण ढंग से बढावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

इस पहल का उद्देश्य पढने-लिखने और सीखने में कठिनाई संबंधी विकार के बारे में जागरूकता बढाना है जिससे साढे तीन करोड़ विद्यार्थियों सहित भारत की 20 प्रतिशत आबादी के प्रभावित होने का अनुमान है। यूनेस्को के सहयोग से महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन फॉर पीस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एमजीआईईपी) और चेंजइंक फाउंडेशन द्वारा इसका आयोजन किया जा रहा है।

स्वदेशी हर्बल ज्ञान को पेटेंट के माध्यम से मान्यता मिली

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू और कश्मीर तथा गुजरात के हर्बल पारंपरिक ज्ञान के संरक्षकों को पहले कश्मीर विश्वविद्यालय में तथा बाद में 22 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन, गांधीनगर में आयोजित सम्मान कार्यक्रमों में हर्बल पेटेंट प्रदान किए गए।

भारत को पारंपरिक हर्बल ज्ञान प्रणालियों के समृद्ध संसाधन से नवाजा गया है। इन मूल्यवान प्रणालियों को देश भर में उत्कृष्ट पारंपरिक विद्वानों द्वारा संरक्षित और बनाए रखा जा रहा है जिससे प्राकृतिक संसाधनों की स्थिरता को बढ़ावा मिल रहा है। ये विद्वान अपने पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर बातचीत करते हैं और अनुभवों, प्रयोगों तथा ज्ञान के माध्यम से संचित स्थानीय वनस्पतियों की गहरी समझ रखते हैं। ये पद्धतियां अपने क्षेत्र में पशुधन सहित मानव स्वास्थ्य और कृषि में चुनौतियों को हल करने के लिए उपकरण का काम करती हैं। ये सतत् प्रयास पर्यावरणीय स्वच्छता और रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर बढ़ती चिंता के साथ अपना महत्व कायम रख रही हैं। ऐसी हर्बल दवाओं को स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में एकीकृत करने के लिए मान्यता दी जानी चाहिए और वैज्ञानिक रूप से मूल्यवान बनाया जाना चाहिए। नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन-इंडिया (एनआईएफ) देश की स्वदेशी ज्ञान प्रणाली के संरक्षण पर बल दे रहा है। एनआईएफ ने उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान प्रथाओं के विशाल भंडार को विकसित किया है और बौद्धिक संपदा डआईपी.अधिकारों के माध्यम से इस ज्ञान को संरक्षित किया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पीएम मोदी युवाओं को सौगात देंगे। प्रधानमंत्री मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर देशभर में 40 स्थानों पर रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नियुक्तियां केंद्र सरकार में शामिल होंगी।

इन नियुक्तियों में राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय जैसे विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में केंद्र सरकार में शामिल होने वाले नए कर्मचारी शामिल होंगे।

रोजगार मेला रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए सार्थक अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाएगा।

दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में लगी आग, जान बचाने चलती ट्रेन से कूदे यात्री

गंधक पोटाश की वजह से हुआ विस्फोट, यात्रियों में फैली दहशत

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोमवार शाम को रोहतक जिला के सांपला के नजदीक जींद से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन के एक डिब्बे में आग लग गई। चलती ट्रेन में कूदने से 4 व्यक्ति घायल हो गए। यह हादसा ट्रेन में गंधक पोटाश की वजह से हुआ। हादसे की सूचना पर पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पैसेंजर ट्रेन शाम 4 बजकर 20 मिनट पर रोहतक रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। यह पैसेंजर ट्रेन करीब 30 मिनट बाद सांपला रेलवे स्टेशन पहुंची थी। वहां ठहरने के बाद यह बहादुरगढ़ के लिए रवाना हुई। पैसेंजर ट्रेन में अचानक ही एक सवारी डिब्बे में जोरदार धमाका हुआ। इसी के साथ डिब्बे में आग लग गई। धमाके की आवाज होते ही पैसेंजर ट्रेन में बैठी सवारियों में भगदड़ मच गई। चलती पैसेंजर ट्रेन में कूदने से 4 व्यक्ति घायल हो गए। इस बीच किसी ने चेन खींचकर पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते पटाखों पर बैन की वजह से गंधक पोटाश खुलेआम बेचा जा रहा है। लोहे के उपकरण में एक पाइप लगा होता है, जिसमें गंधक-पोटाश का मिश्रण डाला जाता है। इसके बाद पाइप में सरिया डालकर दबाव बनाया जाता है। जिससे गंधक-पोटाश तक दबाव पड़ता है और उपकरण से तेज आवाज बाहर आती है। आवाज के साथ जहरीला धुआं भी निकलता है। इन दिनों यह पटाखों का विकल्प बन गया है। दीपावली पर पटाखों के बैन होने के चलते पोटाश व गंधक की मांग बढ गई हैं।

सूचना मिलने पर पुलिस की विभिन्न टीम मौके पर पहुंच गई। फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया गया। ट्रेन में सफर कर रही सवारियों ने बताया कि एक व्यक्ति अपने साथ गंधक पोटाश लेकर सफर कर रहा था, उसी वजह ये यह हादसा हुआ। आग लगने की वजह से पूरा डिब्बा काला पड़ गया। धमाके की जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी बुलाई गई है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पैसेंजर ट्रेन जैसे ही सांपला रेलवे स्टेशन से रवाना हुई, उसी के साथ धमाका हो गया। यह धमाका इतना तेज था कि सवारियों में अफरा तफरा मच गई। पैसेंजर ट्रेन में अचानक ही एक सवारी डिब्बे में जोरदार धमाका हुआ। इसी के साथ डिब्बे में आग लग गई।

4 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में एक्शन

ईडी ने प्रमोटर्स की 503 करोड़ की संपत्तियां जब्त कीं

नागपुर (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय नागपुर ने 4,037 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी केस में 5 राज्यों में कार्रवाई की है। एजेंसी ने महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और आंध्र प्रदेश में 503.16 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। ये संपत्तियां 24 अक्टूबर को जब्त की गई थीं। इसके साथ ही जब्त की गई कुल संपत्ति लगभग 727 करोड़ रुपए हो गई है।

मामला कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उनके प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स मनोज जायसवाल, अभिजीत जायसवाल, अभिषेक जायसवाल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप के तहत हुई जांच से जुड़ा है। कुर्क संपत्तियों में बैंक बैलेंस, म्यूचुअल फंड, शेयर, कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और मनोज कुमार जायसवाल और उनके परिजन के अलावा कई शेल कंपनियों के नाम ली गई प्रॉपर्टी शामिल हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। यूनियन बैंक के मुताबिक आरोपियों ने लोन लेने के लिए प्रोजेक्ट डीटेल में हेरफेर की और इसके बाद बैंक के फंड को डायवर्ट किया था। इसके चलते बैंक को 4,037 करोड़ रुपए, ब्याज समेत 11,379 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इससे पहले इस मामले में ईडी ने नागपुर, कोलकाता और विशाखापत्तनम में कई जगह तलाशी अभियान चलाकर आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए थे। ईडी ने अपराध की आय भी जब्त की थी। जिसमें 223.33 करोड़ रुपए के लिस्टेड शेयर और सिक्योरिटी, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और बैंक बैलेंस शामिल थे। साथ ही 55.85 लाख रुपए की नकदी भी जब्त की थी।

इंटरनेशनल एयरपोट्र्स पर साइबर विंग तैनात

नई दिल्ली (ईएमएस)। दो हफ्ते में 400 से ज्यादा फ्लाइट्स को बम की धमकी मिलने के बाद नेशनल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी एक्शन में है। सोमवार को हद्ध ने इंटरनेशनल एयपोट्र्स पर अपनी साइबर विंग के अफसरों को तैनात किया है। यह अफसर फ्लाइट में बम की धमकी मिलते ही जांच शुरू कर देगी। धमकी देने वाले को ट्रेस करने से लेकर अफसर हवाई जहाज की भी सेफ्टी भी तय करेगी। इसके अलावा कई एयरपोट्र्स पर बॉम्ब थ्रेट असेसमेंट कमेटी की टीमें तैनात की गई हैं।

एयरपोर्ट में सुरक्षा बढ़ाने के लिए एनआईए के साथ कई एजेंसियां काम कर रही हैं। ये एजेंसियां सेफ्टी प्रोटोकॉल तैयार करने में जुटी हैं। रविवार को तीन इंडियन एयरलाइंस की 50 फ्लाइट्स में बम की धमकी मिली थी। इनमें इंडिगो की 18, विस्तारा की 17 और अकासा की 15 फ्लाइट्स शामिल थीं। हालांकि जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकली थीं। इस पर केंद्र सरकार ने इन धमकियों पर सख्त रवैया अपनाया था। आईटी मिनिस्ट्री ने 26 अक्टूबर को एडवाइजरी जारी कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से कहा था कि अगर वे ऐसी झूठी सूचनाओं को फौरन नहीं हटाते हैं तो उन्हें आईटी एक्ट के तहत मिलने वाली इम्युनिटी रद्द कर दी जाएगी। मंत्रालय ने कहा था कि ऐसी सूचनाओं को तुरंत हटाकर इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी देनी होगी।

भाजपा नेता और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने दिया विवादास्पद बयान

कोलकाता (ईएमएस) । पश्चिम बंगाल में 6 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता का दौरा किया । इस दौरान एक रैली में भाजपा नेता और वरिष्ठ अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने एक विवादास्पद बयान दिया । 74 वर्षीय मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, एक नेता ने कहा था कि हम यहां 70ङ्ग मुस्लिम हैं और हिंदू यहां 30ङ्ग हैं । हिंदुओं को काटकर भागीरथी में बहा देंगे । मैं कहता हूं कि हम तुम्हें काटकर भागीरथी में तो नहीं बहायेंगे, लेकिन तुम्हें तुम्हारी जमीन पर जरूर दफना देंगे ।

मिथुन चक्रवर्ती ने यह बयान तृणमूल नेता कबीर की टिप्पणी के बाद दिया है । मुर्शिदाबाद में तृणमूल कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के लिए प्रचार करने के दौरान कबीर ने विवादास्पद टिप्पणी की थी । एक रैली में उन्होंने कथित तौर पर कहा, आप (यहां के लोगों में) 30 प्रतिशत हैं, लेकिन हम 70 प्रतिशत हैं । अगर आपको लगता है कि आप मस्जिदों को ध्वस्त कर सकते हैं और मुसलमान आराम से बैठ जाएंगे? तो आप गलत हैं । अगर मैं आप लोगों को भागीरथी में नहीं डुबो पाया, तो राजनीति छोड़ दूंगा ।

मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, मैं मुख्यमंत्री नहीं हूं । लेकिन ये कह रहा हूं । हम बंगाल जीतने के लिए कुछ भी करेंगे । 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में बीजेपी की सरकार आएगी । भागीरथी हमारी मां हैं । हम इसे बचाने के लिए कुछ भी करेंगे । अमित शाह के सामने ही उन्होंने कहा, हमें पैसे लेने वाले कार्यकर्ता नहीं चाहिए । अगर आप हमारे झाड़ का एक फल तोड़ोगे, तो हम आपके झाड़ का 4फल तोड़ेंगे । इस दौरान उन्होंने बंगाल राज्य परहिंदू समुदाय को वोट डालने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाया ।

भाजपा के सदस्यता अभियान के कार्यक्रम में वेटरन एक्टर ने कहा, हमें लड़ने वाले लोग चाहिए । ऐसे लोग चाहिए, जो खड़े होकर कह सकें कि मुझे गोली मारो । मैं देखता हूं कि तुम्हारे पास कितनी गोलियां हैं । हमें वो लोग नहीं चाहिए, जो पैसों के लिए खड़े होते हैं ।

मिथुन चक्रवर्ती के इस बयान के बाद तृणमूल कांग्रेस ने पलटवार किया । पार्टी महासचिव जय प्रकाश मजूमदार ने मिथुन चक्रवर्ती को एक महत्वहीन व्यक्ति करार दिया है । उन्होंने कहा, एक राजनीतिक नेता के रूप में कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेता । जिस नेता (तृणमूल के कबीर) की टिप्पणी के बारे में उन्होंने बात की थी, उसकी चुनाव आयोग ने निंदा की थी । अब अमित शाह की उपस्थिति में मिथुन चक्रवर्ती ऐसा कह रहे हैं । देखना है कि अब इस बारे में पार्टी का कदम क्या होगा?

महाराष्ट्र में 99 सीटें कांग्रेस ने घोषित कीं, एनसीपी और उद्धव गुट में खलबली

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में सीट बंटवारे को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी है। कांग्रेस, उद्धव वाली शिवसेना और शरद पवार गुट वाली एनसीपी के बीच सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। इसके बाद कांग्रेस ने बड़ा दांव चलकर 99 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, कांग्रेस के इस फैसले से अन्य दलों में खलबली मच गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, महा विकास अघाड़ी में पहले 85-85-85 सीटों का फॉर्मूला तय हुआ था, जिसे बाद में 95 सीटों पर सहमति बनाने की बात की गई। लेकिन अब तक उद्धव गुट ने 87 और एनसीपी ने 76 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। इस स्थिति को देखकर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी खासे नाराज दिखाई दिए। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में राहुल गांधी का गुस्सा सातवें आसमान पर था, जिसके कारण उन्होंने बैठक को बीच में ही छोड़ दिया।

कांग्रेस ने 99 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान करके अन्य दो दलों को संकट में डाल दिया है। इस फैसले से साफ होता है कि एमवीए में अब कांग्रेस ही बड़ा भाई बनने की कोशिश कर रही है। एनसीपी और शिवसेना को अब 95-95 सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है, जबकि कांग्रेस अपने 99 उम्मीदवारों के साथ चुनावी मैदान में उतर चुकी है। राजनैतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति से महा विकास अघाड़ी की एकता पर सवाल उठाना लाजिमी हैं। सीट बंटवारे का फॉर्मूला लगातार बदल रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि तीनों दलों के बीच आपसी समझदारी में कमी है। महाराष्ट्र में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं, और चुनाव एक चरण में 20 नवंबर को होगा, जबकि परिणाम 23 नवंबर को आएंगे।

इस राजनीतिक संघर्ष के बीच, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार भी स्थिति को करीब से देख रही है, जिससे आगामी चुनावों में माहौल और भी रोचक हो सकता है।

अखनूर में 3 आतंकी मारे गए

सुबह आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी, 5 घंटे चले एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने मार गिराया

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी। हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

आतंकी फायरिंग के बाद जंगल की ओर भाग गए थे। सेना ने इलाके को घेर कर सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया। इससे पहले 24 अक्टूबर को बारामूला में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर की जान गई थी।

मंदिर में मोबाइल ढूंढ रहे थे आतंकवादी

सुरक्षाबलों ने बताया कि, आतंकवादी भट्?टल इलाके में जंगल से लगे शिव आसन मंदिर में एक मोबाइल ढूंढ रहे थे। उन्हें किसी को कॉल करनी थी। इसी दौरान आर्मी की एंबुलेंस गुजरी और आतंकवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि आतंकवादी पिछली रात बॉर्डर पार करके अखनूर में आए थे।

सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी

-कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बताया, कहा-सलमान मामले से दूर रहो

पटना (ईएमएस)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। धमकी देने वाले शख्स ने पप्पू यादव को सलमान खान मामले से अलग रहने की हिदायत भी दी है। उसने कॉल पर कहा, सलमान के मामले से दूर रहो, हम कर्म और कांड दोनों करते हैं।

धमकी देने वाले का दावा है कि लॉरेंस बिश्नोई जेल में एक लाख रुपए प्रतिघंटा देकर जैमर बंद करवाकर पप्पू यादव से बात करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पप्पू यादव फोन नहीं उठा रहे हैं। दरअसल, 12 अक्टूबर को मुंबई में पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। इसके बाद पूर्णिया सांसद ने सोशल मीडिया पर 24 घंटे में लॉरेंस गैंग के खात्मे की बात कही थी। वहीं पिछले गुरुवार को पप्पू यादव ने मुंबई में बाबा सिद्दिकी के बेटे जिशान सिद्दीकी से मुलाकात की थी। वो व्यस्तता के कारण एक्टर सलमान खान से मिल नहीं पाए थे। लेकिन सांसद ने अपने पोस्ट के जरिए कहा था कि वो हर परिस्थिति में सलमान खान के साथ हैं।

25 लाख दीपकों से जगमगाएगी राम नगरी

रात 12 बजे तक हो सकेंगे मंदिर भवन दर्शन

अयोध्या (ईएमएस)। भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद होने वाला पहला दीपोत्सव कई मायनों में ख़ास होगा. अयोध्या नगरी तो लाखों दीपों से रोशन होगी ही साथ ही श्रीराम जन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर की दीपावली भी यादगार होगी. इसके लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है.

इस वर्ष सरयू तट पर जहां 25 से 28 लाख दीपक प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना है, वहीं श्रीराम मंदिर में विशेष प्रकार के दीपक जलाए जाएंगे. मंदिर भवन को दाग-धब्बों और कालिख से सुरक्षित रखने के लिए विशिष्ट दीपकों की व्यवस्था की है, जो लंबे समय तक प्रकाशमान रहेंगे.

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाने की भी विशेष योजना है. मंदिर परिसर को कई खंडों और उपखंडों में विभाजित कर सजावट का दायित्व सौंपा गया है. बिहार कैडर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त आईजी आशु शुक्ला को मंदिर के प्रत्येक कोने को व्यवस्थित रूप से रोशन करने, सभी प्रवेश द्वारों को तोरण से सजाने, साफ-सफाई और सजावट की जिम्मेदारी सौंपी गई है. इससे श्रद्धालु मनोहारी फूलों और दीपों से सजे मंदिर का दिव्य दर्शन कर सकेंगे.

आईएनएस तलवार फ्रांस के ला रियूनियन पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी तैनाती के एक हिस्से के रूप में भारतीय नौसेना का फ्रंटलाइन स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस तलवार 27 अक्टूबर 2024 को फ्रांस के ला रियूनियन पहुंचा। ला रियूनियन की यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र के समुद्री सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारत-फ्रांस साझेदारी को मजबूत करना है। आईएनएस तलवार ला रियूनियन बंदरगाह यात्रा के दौरान फ्रांसीसी नौसेना के साथ क्रॉस-डेक यात्राएं करेंगे और आपस में तालमेल बिठाएंगे। इससे पहले, इस जहाज को 27 अक्टूबर 2024 को प्रवासी भारतीयों के लिए खुला रखा गया था।

भारत और फ्रांस के बीच पारंपरिक रूप से मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं और दोनों देशों के बीच गहरी, स्थायी रणनीतिक साझेदारी है। आईएनएस तलवार को 18 जून 2003 को नौसेना में शामिल किया गया था और यह पश्चिमी नौसेना कमान के तहत भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े का हिस्सा है। इस जहाज की कमान वर्तमान में कैप्टन जीतू जॉर्ज के पास है। आईएनएस तलवार ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित आईबीएसएएमएआर ङ्घढ्ढढ्ढ बहुपक्षीय अभ्यास में भाग लिया था।

पीएम मोदी आज करेंगे भारत के पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के चरण-II का उद्घाटन

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अक्टूबर को दोपहर लगभग 12:30 बजे धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली में लगभग 12,850 करोड़ रुपये की लागत वाली स्वास्थ्य क्षेत्र से सम्बंधित विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार शुरू करेंगे। इससे सभी वरिष्ठ नागरिकों को उनकी आय को महत्व दिये बिना स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री देशभर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करते रहे हैं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री कई स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री भारत के पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के दूसरे चरण का उद्घाटन करेंगे। इस चरण में, एक पंचकर्म अस्पताल, औषधि निर्माण के लिए एक आयुर्वेदिक फार्मेसी, एक खेल चिकित्सा इकाई, एक केंद्रीय पुस्तकालय, एक आईटी और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन सेंटर और 500 सीटों वाला ऑडिटोरियम शामिल है। मोदी मध्यप्रदेश के मंदसौर, नीमच और सिवनी में 3 मेडिकल कॉलेजों का भी उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, वे हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर, पश्चिम बंगाल के कल्याणी, बिहार के पटना, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, मध्य प्रदेश के भोपाल, असम के गुवाहाटी और नई दिल्ली विभिन्न एम्स में सुविधा और सेवा विस्तार का उद्घाटन करेंगे, जिसमें एक जन औषधि केंद्र भी शामिल होगा। प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सरकारी मेडिकल कॉलेज में एक सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक और ओडिशा के बरगढ़ में एक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी उद्घाटन करेंगे।

जन हितैषी

स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण 8 करोड़ जुआड़ी बढ़े

स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण ऑनलाइन जुआ खेलने की लत दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। लीजेंड पब्लिक हेल्थ कमीशन ने जो रिपोर्ट जारी की है उसके अनुसार भारत में कम से कम 8 करोड़ नए जुआड़ी बन गए हैं जो ऑनलाइन जुआ खेलकर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। इसके चलते कई परिवार तबाह हो गए हैं। हजारों लोगों ने आत्महत्या कर ली है। सामाजिक संबंधों में भी एक नया बिखराव देखने को मिल रहा है। जुए की लत सौ बीमारियों की एक बीमारी है। जुए की बढ़ती हुई लत के कारण युवाओं में नशे की आदत भी बढ़ती चली जा रही है। शारीरिक और मानसिक परेशानियों को देखते हुए बड़े पैमाने पर जुआड़ी आर्थिक कठिनाइयों के कारण जहां नशे का शिकार हो रहे हैं वहीं परिवार में घरेलू हिंसा और आपराधिक घटनाएं भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। स्मार्टफोन के माध्यम से लोगों को खासकर किशोरवय और युवा पीढ़ी को जुआ खेलने का आसान तरीका मिल गया है। स्मार्टफोन, समाचार पत्र और टीवी के जरिए खुलेआम जुए का प्रचार-प्रसार हो रहा है। हद यह है कि इस जुए का शिकार अब महिलाएं भी होने लगी हैं। जो रिपोर्ट आई है उसके अनुसार 15.8 फ़ीसदी वयस्क 26.8 फ़ीसदी किशोर और महिलाओं में भी ऐप के जरिए जुआ खेलने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। घंटों स्मार्टफोन पर परिवार के लगभग प्रत्येक सदस्य समय बिताते हैं.जिसके कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। मानसिक रोग बढ़ते चले जा रहे हैं। इसके चलते कुछ मानसिक रोगी अचानक अपराध करने लग जाते हैं तो कुछ अपने स्वयं के शरीर को हानि पहुंचाने लगते हैं। अब तो आत्महत्या जैसी प्रवृत्ति भी बड़ी तेजी के साथ समाज के सभी वर्गों में देखने को मिल रही है। एक पढ़े-लिखे और उत्तम समाज के लिए वाकई चिंता का सबसे बड़ा कारण बनता चला जा रहा है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि वर्तमान स्थिति में भारत सरकार को स्मार्टफोन और इंटरनेट पर जुए के ऐप को तत्काल बंद कर देना चाहिए। 15 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से प्रतिबंधित करने और इंटरनेट के जरिए जो बुराइयां बड़ी तेजी के साथ प्रत्येक परिवार के बीच में परोसी जा रही हैं इन पर तत्काल रोक लगाने की आवश्यकता है। स्मार्टफोन के कारण समाज में यौन अपराध के मामले भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। मासूम छोटे-छोटे बच्चों के साथ जिस तरह का यौन उत्पीड़न किया जा रहा है इसका सबसे बड़ा कारण स्मार्टफोन और इंटरनेट को ही माना जा रहा है। अनेक आपराधिक मामलों में इस बात का खुलासा भी हो चुका है, जहां अपराधी स्वयं स्वीकार करते देखे गए हैं कि उन्होंने इंटरनेट और मोबाईल पर जो देखा वही किया। इसके चलते बच्चे भी अपराधियों की सूची में शामिल होते देखे जा रहे हैं।

भारत में पिछले 10 वर्षों में गरीब और अमीर सभी इंटरनेट और स्मार्टफोन का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। पोर्न पिक्चर्स और वीडियो को देखने का चलन स्मार्टफोन पर बढ़ता ही जा रहा है। नाबालिग बच्चों के बीच में भी पोर्न फिल्में देखी जा रही हैं। इसका असर यह हो रहा है कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे भी अब यौन अपराधों में शामिल हो गए हैं। जिस तरह से छोटी-छोटी बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाओं के समाचार आ रहे हैं, उसके बाद भी सरकार ने इस समस्या के समाधान को सुलझाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। महंगाई और बेरोजगारी का असर समाज के सभी तबकों के बीच बना हुआ है। आर्थिक जरूरत को पूरा करने के लिए लोग जुए का सहारा ले रहे हैं। इसके कारण स्थितियां और भी खराब हो रही हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण दुनिया के 45 करोड़ लोग मानसिक बीमारी के शिकार होकर सामाजिक व्यवस्था में तरह-तरह की समस्या पैदा कर रहे हैं। कई देशों ने अपने यहां नाबालिग युवाओं को सोशल मीडिया से दूर रहने का कानून बना दिया है। ऑनलाइन जुए के ऐप और वेबसाइट को कानूनी रूप से बंद कर दिया गया है। लेकिन भारत जैसे देश में जुए की ऐप और जुए को खुलेआम खिलाने की परमिशन दी गई है और इसके लिए सरकार 28 फ़ीसदी टैक्स वसूलकर अपना राजस्व बढ़ा रही है। भारत में जिस तरह से जुए की लत बढ़ती ही जा रही है, यदि तुरंत इसको नियंत्रित करने की दिशा में काम नहीं किया गया तो स्थिति बड़ी विस्फोटक हो सकती है। सरकार को समय रहते इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

धन के साथ धर्म की अमृतवर्षा का पर्व है धनतेरस

(धनतेरस- 29 अक्टूबर, 2024)

दीपावली से जुड़े पांच पर्वों में दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और माँ लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। धनतेरस अर्थव्यवस्था का महापर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता हैं। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। जब हम धन का ध्यान करते हैं तो सार्वभौमिक आत्मा को अपनी प्रचुरता के लिए धन्यवाद देते हैं।

हम और ज्यादा के लिए भी प्रार्थना करते हैं ताकि हम और ज्यादा समृद्ध हो सके यह समृद्धि केवल सोना-चांदी-रूपयों की ही नहीं बल्कि ज्ञान, आनन्द आत्मविश्वास, शांति एवं प्रेम की भी होती है। सोना चांदी केवल एक बाहरी प्रतीक है। दौलत हमारे भीतर है। भीतर में बहुत सारा प्रेम, शांति और आनंद है। इससे ज्यादा दौलत आपको और क्या चाहिए? ज्ञान ही वास्तविक धन है। आपका चरित्र, आपकी शांति और आत्म विश्वास आपकी वास्तविक दौलत है। जब आप ईश्वर के साथ जुड़ कर आगे बढ़ते हो तो इससे बढ़कर कोई और दौलत नहीं है। यह शाही विचार तभी आता है जब आप ईश्वर और उसकी अनंतता के साथ जुड़ जाते हो। जब लहर यह याद रखती है कि वह समुद्र के साथ जुड़ी हुई है और समुद्र का हिस्सा है तो विशाल शक्ति मिलती है। धनतेरस 'आयुर्वेद' का दिन भी है, क्योंकि जड़ीबूटियां भी धन हैं। जड़ीबूटियां और पेड़-पौधे भी धन हैं। ऐसा कहते हैं कि धनतेरस के दिन ही मानवता को अमृत दिया गया था।

भारतीय संस्कृति में धर्म-अर्थ-काम और मोक्ष जीवन के उद्देश्य रहे हैं। यहां इन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा से प्रयास होते रहे हैं। धनतेरस पर धन के साथ-साथ धर्म की पूजा भी हो यहां महत्त्व दिया गया है और दोनों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी व्यक्त होती रही है लेकिन जब-जब इनके समन्वय के प्रयास कमजोर हुए हैं तब-तब समाज में एक असंतुलन एवं अराजकता का माहौल बना है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की सार्थकता तभी है जब व्यक्ति का जीवन सद्गुणों से युक्त हो। लेकिन हाल के वर्षों में समृद्धि को लेकर हमारे समाज की मानसिकता और मानक बदले हैं। आज समृद्धि का अर्थ सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता तक हो गया है। समाज में मानवीय मूल्यों और सद्विचारों को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना एवं धन की कामना करना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? इस तरह की मानसिकता समाज को कहां ले जाएगी? ये कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न हैं, जिनपर धनतेरस जैसे पवित्र पर्व पर मंथन जरूरी है।

लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिग्दिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। इसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही सही है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ।

हमारी समृद्धि गुणात्मक हो, लेकिन समृद्धि के नाम पर पनप रहा नया नजरिया न केवल घातक है बल्कि मानव अस्तित्व पर खतरे का एक गंभीर संकेत भी है। साम्राज्यवाद की पीठ पर सवार पूंजीवाद ने जहां एक ओर अमीरी को बढ़ाया है तो वहीं दूसरी ओर गरीबी भी बढ़ती गई है। यह अमीरी और गरीबी का फासला कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है जिसके परिणामों के रूप में हम कोरोना जैसी महामारियों को, युद्ध की विभीषिकाओं को, आतंकवाद को, सांप्रदायिकता, महंगाई, बेरोजगारी को देख सकते हैं, जिनकी निष्पत्तियां हैं समाज में हिंसा, नफरत, द्वेष, लोभ, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, रिश्ते में दरारें आदि। सर्वाधिक प्रभाव पर्यावरणीय असंतुलन एवं प्रदूषण के रूप में उभरा है। चंद हाथों में सिमटी समृद्धि की वजह से बड़े और तथाकथित संपन्न लोग ही नहीं बल्कि देश का एक बड़ा तबका मानवीयता से शून्य अपसंस्कृति का शिकार हो गया है। अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। आदमी-आदमी से असुरक्षित हो गया। हिंसा, झूठ, चोरी, बलात्कार, संग्रह जैसे निषेधात्मक संस्कारों ने मनुष्य को पकड़ लिया। चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे। नीति और निष्ठा के केंद्र बदलने लगे। आस्था की नींव कमजोर पड़ने लगी।

धन के प्रति हमारा नजरिया विसंगतिपूर्ण है। इस प्रक्रिया में हमारा दीपावली एवं धनतेरस मनाना कहां सार्थक रह पाया है। क्योंकि सारी सामाजिक मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, मर्यादाओं को ताक पर रखकर कैसे भी धन एकत्र कर लेने को सफलता का मानक माने जाने लगा है जिससे राजनीति, साहित्य, कला, धर्म सभी को पैसे की तराजू पर तोला जाने लगा है। इस प्रवृत्ति के बड़े खतरनाक नतीजे सामने आ रहे हैं। समृद्धि की तथाकथित आधुनिक जीवनशैली ने जीवन मूल्यों के प्रति अनास्था को पनपाया है। समृद्धि के बदलते मायने तभी कल्याणकारी बन सकते हैं जब समृद्धि के साथ चरित्र निष्ठा और नैतिकता भी कायम रहे। शुद्ध साध्य के लिए शुद्ध साधन अपनाने की बात इसीलिए जरूरी है कि समृद्धि के रूप में प्राप्त साधनों का सही दिशा में सही लक्ष्य के साथ उपयोग हो। संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना जागे। पदार्थ संयम के साथ इच्छा संयम हो, भोग के साथ संयम भी जरूरी है। भले हमारे पास कार, कोठी और कुर्सी न हो लेकिन चारित्रिक गुणों की काबिलियत अवश्य हो क्योंकि इसी काबिलियत के बल पर हम अपने आपको महाशक्तिशाली बना सकेंगे, तभी हमारा धनतेरस मनाना सार्थक होगा।

समृद्धि की बदलती फिजा सद्संस्कारों को शिखर दे, वैचारिक दृष्टिकोण को रचनात्मकता दे, आधुनिकता के साथ पनपने वाली बुराइयों को विराम दे, ईमान और इंसानियत बटोरते हुए आगे बढ़े। आज कहां सुरक्षित रह पाया है-ईमान के साथ इंसान तक पहुंचने वाली समृद्धि का आदर्श? कौन करता है अपनी सुविधाओं का संयमन? कौन करता है ममत्व का विसर्जन? कौन दे पाता है अपने स्वार्थों को संयम की लगाम? भले हमारे पास कार, कोठी और कुर्सी न हो लेकिन चारित्रिक गुणों की काबिलियत अवश्य हो क्योंकि इसी काबिलियत के बल पर हम अपने आपको महाशक्तिशाली बना सकेंगे, तभी हमारा धनतेरस मनाना सार्थक होगा। (लेखक-ललित गर्ग/ईएमएस)

नेमनूक पर पलने वाले खबरची अकेले नहीं

मीडिया की दुनिया की अच्छी-बुरी खबरें जारी करने वाले भड़ास मीडिया के जरिये कुछ लोगों ने मप्र के उन पत्रकारों को लांछित करने की कोशिश की है ,जो परिवहन विभाग की और से बांटे जाने वाले नेमनूक से अपना जेबखर्च चलाते हैं। नेमनूक का मतलब धर्मस्व विभाग में पुजारियों को दी जाने वाली राशि होता है। ये नाममात्र की होती है ,लेकिन रियासतों के जमाने से लेकर अबतक बांटी जा रही है।

सब जानते हैं कि आबकारी,सिंचाई, लोनिवि और परिवहन जैसे विभागों में पत्रकारों के साथ ही नौकरशाहों,जन= प्रतिनिधियों को नेमनूक वितरित किये जाने की परम्परा है। ऊपरी कमाई करने वाले विभागों में नेमनूक बाँटने के काम को लेकर कोई दूसरा काम ईमानदारी से नहीं होता। नेमनूक राजनितिक दलों ,दलों के जिले से लेकर प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों , भाप्रसे ,भापुसे और राप्रसे के अफसरों के साथ ही सिपाही स्तर तक समान रूप से वितरित किया जाता है। मुझे इसका पता इसलिए है क्योंकि आज से कोई तीस साल पहले मेरे एक परिचित पुलिस इंस्पेक्टर परिवहन महकमे में प्रतिनियुक्ति पर गए थे और उन्होंने मुझे उस समय 300 रूपये का नेमनूक दिया था । उस समय मेरा वेतन कोई 6 हजार रूपये हुआ करता था।

पहले नेमनूक हमारे जैसे आर्थिक रूप से कमजोर पत्रकारों पर अनुकम्पा कर दिया जाता था। लेकिन बाद में पत्रकारों के लिए ये नियंत व्यवस्था बन गयी। पत्रकार इतने कम या ज्यादा नेमनूक के बदले भ्र्ष्टाचार की और से अपनी आँखें बंद कर लें ऐसा कभी नहीं हुआ। मुझे तो पहली बार पता चला कि नेमनूक पत्रकार की हैसियत के हिसाब से तय होता था। आजकल ये नेमनूक बंद है क्योंकि अब प्रदेश में नयी सरकार ने परिवहन चौकियां बंद करा दीं हैं। ऐसे में नेमनूक ले चुके पत्रकारों के नामों की फेहरिश्त जारी करने का एकमात्र मतलब पत्रकारों का मान-मर्दन करना है। । मुझे ये स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं है कि पत्रकार नेमनूक लेते है। मैंने भी लिया है लेकिन मेरे जैसे तमाम पत्रकारों को आज भी नेमनूक देने वाले शायद शक्ल से नहीं पहचानते ,क्योंकि ये काम करने वाले सभी हाथ अदृश्य होते हैं। अंगूठा छाप होते हैं, उनका लिखने -पढ़ने से कोई वास्ता नहीं होता। वे केवल एजेंट होते है। परिवहन महकमे के ,केंद्रीय और राज्य के मंत्रियों के। ये नेताओं और अधिकारीयों का हिस्सा तो हड़प नहीं पाते किन्तु पत्रकारों के नेमनूक में भांजी जरूर मार देते थे।

पत्रकारों को नेमनूक बाँटने की प्रथा सनातन है । हर सत्ता इसका पालन करती है ,हाँ सभी के तरीके अलग-अलग होते हैं। कोई नेमनूक को नजराना कहता है तो कोई सप्रेम भेंट ,कोई इसे शुकराना कहता है तो कोई बख्शीस। लेकिन ये किसी का जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है । ये सौ फीसदी अनुकम्पा है। ये आपको नगद सम्मान के रुप में भी मिल सकती है । आवासीय भूखंड के रूप में भी । कार के रूप में भी और उपहार के रूप में भी। चिकित्सा सहायता के रूप में भी मिल सकती है और पर्यटन पैकेज के रूप में भी। विज्ञापन के रूप में मिल सकती है या आपकी किताब खरीद कर । ये मुग़लों के समय भी मिलती थी और अंग्रेजों के समय भी । कांग्रेस के समय भी मिलती थी और भाजपा के समय में भी।

मेरा एक पत्रकार के रूप में लंबा तजुर्बा है इसलिए मुझे ये कहने में कोई ऐतराज नहीं है कि आज का समाज संतों का समाज नहीं है । संतों को दी जाने वाली बख्शीस की भी एक फेहरिश्त है। नौकरशाहों की भी है और माननीय नेतागणों की भी। सब मिल-बांटकर प्रसादम पाते है । कोई दूध का धुला नहीं है । न मै ,न मेरी बिरादरी । न नेताओं का कुनवा और न नौकरशाहों का कुनवा। यदि ऐसा होता तो नौकरशाहों के घर से 300 करोड़ की नगदी न मिलती, यदि ऐसा होता तो किसी नौकरशाह,किसी अख़बार मालिक के घरों पर छापा न पड़ता ,यदि ऐसा होता तो अकेले तनख्वाह पाने वाले तमाम खबरची ,नेता और अफसर फार्म हाउसों ,खदानों ,क्रेशरों के मालिक न होते। घर में दीपावली पर आने वाली आतिशबाजी और मिठाई भी एक तरह का नेमनूक है भाई ! यानि हरि अनंत ह्री कथा अनंता है। किसी ने खुन्नस निकलने के लिए नेमणूक पाने गरीब पत्रकारों के नाम उजागर कर दिए ,लेकिन उसने अपनी माँ का इतना दूध नहीं पिया था कि वो इसी नेमनूक पाने वाले नेताओं,विधायकों और नौकरशाहों के नामों की सूची भी भड़ास -4 को दे पाता ।

जिन महानुभावों का नाम इस फेहरिश्त में नहीं है वे ,आप मान लीजिये कि सूचीबद्ध पत्रकारों से दस गुना ज्यादा नेमनूक पा रहे हैं। इसलिए दुग्ध स्नान करने का दावा करने वाले सभी बगुला - भगत हैं । इस सूची में मेरा नाम भी शुमार है लेकिन ढंग से नहीं है । मुझे अफ़सोस है कि मेरा मूल्यांकन न आजतक किसी सरकार ने सही किया और न नेमनूक बाँटने वालों ने ,लेकिन मैं न ग्लानि से भरा हूँ और न मैंने अपना सत्ता प्रतिष्ठान विरोधी अपना चेहरा बदला ह। मै 2016 से पत्रकारिता की दुनिया को अलविदा कह चूका हूँ। एक स्वतनत्र लेखक हूँ । अपने पाठकों से एक रुपया माँगता हूँ और हजारों रूपये पा रहा हूँ। मेरा डंका कल भी बज रहा था,आज भी बज रहा है और बाखुदा कल भी बजेगा। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

धनतेरस से दीपावली का शंखानंद-भाई दूज तक पंचदिवसीय महापर्व शुरू

वैश्विक स्तरपर अगर हम गहराई से देखें तो भारत में करीब करीब हर दिन किसी न किसी पर्व को मनाने का होता है। कभी सामाजिक जातीय धार्मिक, राष्ट्रीय तो कभी चुनावी महापर्व जैसे 20 नवंबर 2024 को महाराष्ट्र और झारखंड का चुनावी महापर्व तथा 23 नवंबर 2024 को परिणाम आने का महापर्व मनाने का दिन है, इन त्योहारों का एक महत्वपूर्ण भाव अनेकता में एकता है,इसके कारण ही भारत एक विशालकाय जनसंख्या वाला देश विभिन्न धर्मो जातियों उपजातियों के बीच सर्वधर्म सद्भाव के प्रेम से संजोया हुआ एक खूबसूरत गुलदस्ता है,इसीलिए ही हर धर्म समाज का पर्व हर दिन आनास्वाभाविक है। परंतु उन कुछ पर्वो में से धनतेरस से दीपावली और फिर छठ महापर्व एक ऐसा खूबसूरत त्यौहार पर्व है जिसे भारत में ही नहीं पूरी दुनियाँ में बसे भारतवंशियों द्वारा बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 29 अक्टूबर 2024 से हो गई है जो 5 दिन तक बड़ी सौहार्दपूर्ण के साथ और खुशियों के साथ मनाया जा रहा है, फिर अब दीपावली के छठवें दिन से छठ पर्व मनाया जाएगा, जो धार्मिक आस्था का खूबसूरत प्रतीक है। चूंकि दीप जले दीपावली आई, धनतेरस ने दीपावली का आगाज़ कर दिया है और पांच दिवसीय दीपावली पर्व का धनतेरस के भावपूर्ण स्वागत से शुरू हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे दुनियां के हर देश में बसे भारतवंशी धनतेरस से भाई दूज तक फिर छठ के महात्योहार में खुशियों से सराबोर होकर पूर्ण तृप्ति होंगे।

साथियों बात अगर हम दीपावली महापर्व की शुरुआत धनतेरस मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 से शुरू होने की करें तो, दीपावली का शुभारंभ धनतेरस के दिन से ही हो जाता है और भाई दूज तक यह 5 दिवसीय उत्सव मनाया जाता है। सबसे पहले धनतेरस, फिर नरक चतुर्दशी, उसके बाद बड़ी दिवाली, फिर गोवर्द्धन पूजा और सबसे आखिर में भाई दूज पर इस पर्व की समाप्ति होती है।धनतेरस इस बार आज 29 अक्टूबर 2024 को मनाई जा रही है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं में यह बताया गया है कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को समुद्र मंथन से भगवान धनवंतरी प्रकट हुए थे और उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। उन्हें विष्णु भगवान का अवतार माना जाता है। धनतेरस को उनके प्राकटयोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन धन के देवता कुबेरजी और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और सोने-चांदी के अलावा बर्तनों की खरीद करते हैं। धनतेरस को लेकर ऐसी मान्यता है कि इस दिन खरीदी गईवस्तुओं में 13 गुना वृद्धि होती है और हमको धन की कमी नहीं होती।मृत जीवित हो आता था।विधाता के कार्य में यह बहुत बड़ा व्यवधान पड़ गया। सृष्टि में भयंकर अव्यवस्था उत्पन्न होने की आशंका के भय से देवताओं ने इन्हें छल से लोप कर दिया। वैद्यगण इस दिन धन्वंतरी जी का पूजन करते हैं और वर मांगते हैं कि उनकी औषधि व उपचार में ऐसी शक्ति आ जाए जिससे रोगी को स्वास्थ्य लाभ हो। सद्गृहस्थ इस दिन अमृत पात्र को स्मरण कर नए बर्तन घर में लाकर धनतेरस मनाते हैं। आज के दिन ही बहुत समय से चले आ रहे मनो मालिन्य को त्याग कर यमराज ने अपनी बहिन यमुना से मिलने हेतु स्वर्ग से पृथ्वी की ओर प्रस्थान किया था। गृहणियां इस दिन से अपनी देहरी पर दीपक दान करती हैं, जिससे यमराज मार्ग में प्रकाश देखकर प्रसन्न हों और उनके गृह जनों के प्रति विशेष करुणा रखें। इस वर्ष यह पर्व 29 अक्टूबर 2024 ई? मंगलवार को मनायाजा रहा है, इसी दिन प्रातः सूर्यादय से ही त्रयोदशी तिथि का आगाज हुआ ।अतः उदय व्यापिनी त्रयोदशी होने के कारण प्रदोष व्रत के साथ-साथ प्रदोष काल में दीपदान का अति विशेष महत्व रहेगा।

साथियों बात अगर हम पांच दिवसीय दीपावली महापर्व की करें तो (1) पहला दिन - पहले दिन को धनतेरस कहते हैं। दीपावली महोत्सव की शुरुआत धनतेरस से होती है। इसे धन त्रयोदशी भी कहते हैं। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज, धन के देवता कुबेर और आयुर्वेदाचार्य धन्वंतरि की पूजा का महत्व है। इसी दिन समुद्र मंथन में भगवान धन्वंतरि अमृत कलश के साथ प्रकट हुए थे और उनके साथ आभूषण व बहुमूल्य रत्न भी समुद्र मंथन से प्राप्त हुए थे। तभी से इस दिन का नाम धनतेरस पड़ा और इस दिन बर्तन, धातु व आभूषण खरीदने की परंपरा शुरू हुई। इसे रूप चतुर्दशी भी कहते हैं। (2) दूसरा दिन - दूसरे दिन को नरक चतुर्दशी रूप चौदस और काली चौदस कहते हैं। इसी दिन नरकासुर का वध कर भगवान श्रीकृष्ण ने 16,100 कन्याओं को नरकासुर के बंदीगृह से मुक्त कर उन्हें सम्मान प्रदान किया था। इस उपलक्ष्य में दीयों की बारात सजाई जाती है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि इस दिन सूर्योदय से पूर्व उबटन एवं स्नान करने से समस्त पाप समाप्त हो जाते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। वहीं इस दिन से एक ओर मान्यता जुड़ी हुई है जिसके अनुसार इस दिन उबटन करने से रूप व सौंदर्य में वृद्धि होती है। इस दिन पांच या सात दीये जलाने की परंपरा है। इस बार यह पर्व 30 अक्टूबर 2024 बुधवार को मनाया जाएगा। (3) तीसरा दिन-अब आता है इस लड़ी के मध्य दैदीप्यमान मंजूषा का उल्लास और उत्साह से भरा महान पर्व दीपावली और महालक्ष्मी पूजन तीसरे दिन को दीपावली कहते हैं। यही मुख्य पर्व होता है। दीपावली का पर्व विशेष रूप से मां लक्ष्मी के पूजन का पर्व होता है। कार्तिक माह की अमावस्या को ही समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं जिन्हें धन, वैभव, ऐश्वर्य और सुख समृद्धि की देवी माना जाता है। अतः इस दिन मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दीप जलाए जाते हैं ताकि अमावस्या की रात के अंधकार में दीपों से वातावरण रोशन हो जाए।दूसरी मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान रामचन्द्रजी माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों का वनवास समाप्त कर घर लौटे थे। श्रीराम के स्वागत हेतु अयोध्या वासियों ने घर-घर दीप जलाए थे और नगरभर को आभायुक्त कर दिया था। तभी से दीपावली के दिन दीप जलाने की परंपरा है। 5 दिवसीय इस पर्व का प्रमुख दिन लक्ष्मी पूजन अथवा दीपावली होता है।इस दिन रात्रि को धन की देवी लक्ष्मी माता का पूजन विधिपूर्वक करना चाहिए एवं घर के प्रत्येक स्थान को स्वच्छ करके वहां दीपक लगाना चाहिए जिससे घर में लक्ष्मी का वास एवं दरिद्रता का नाश होता है। इस दिन देवी लक्ष्मी, भगवान गणेश तथा द्रव्य, आभूषण आदि का पूजन करके 13 अथवा 26 दीपकों के मध्य 1 तेल का दीपक रखकर उसकी चारों बातियों को प्रज्वलित करना चाहिए एवं दीपमालिका का पूजन करके उन दीपों को घर में प्रत्येक स्थान पर रखें एवं 4 बातियों वाला दीपक रातभर जलता रहे, ऐसा प्रयास करें। (4) चौथा दिन - इस लड़ी का चौथा माणिक है कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा। यह पर्व भारत की कृषि-प्रधानता,पशुधन उद्योग व व्यवसाय का प्रतीक है। इसी दिन श्री कृष्ण ने अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को छत्र की तरह धारण करके वनस्पति तथा लोगों की इंद्र के प्रकोप से रक्षा की थी। यह गोवर्धन पर्व अन्नकूट के नाम से विख्यात है। इस दिन नाना प्रकार के खाद्यान्न बनाए जाते हैंघी, दूध, दही से युक्त इनका भोग भगवान को लगाया जाता है। शिल्पकार व श्रमिक वर्ग आज के दिन विश्वकर्मा का पूजन भी श्रद्धा भक्तिपूर्वक करते हैं। आज चहुंमुखी विकास और वृद्धि की कामना से दीप जलाए जाते हैं। इस वर्ष यह पर्व 2 नवंबर 2024, शनिवार को मनाया जाएगा।कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट उत्सव मनाना जाता है। इसे पड़वा या प्रतिपदा भी कहते हैं। खासकर इस दिन घर के पालतू बैल, गाय, बकरी आदि को अच्छे से स्नान कराकर उन्हें सजाया जाता है। फिर इस दिन घर के आंगन में गोबर से गोवर्धन बनाए जाते हैं और उनका पूजन कर पकवानों का भोग अर्पित किया जाता है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि त्रेतायुग में जब इन्द्रदेव ने गोकुलवासियों से नाराज होकर मूसलधार बारिश शुरू कर दी थी, तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर गांववासियों को गोवर्धन की छांव में सुरक्षित किया। तभी से इस दिन गोवर्धन पूजन की परंपरा भी चली आ रही है। (5) पांचवां दिन - माला का पांचवा चमकता पर्व आता है- स्नेह, सौहार्द व प्रीति का प्रतीक यम द्वितीया अथवा भैया-दूज। इस दिन कार्तिक शुक्ल को यमराज अपने दिव्य स्वरूप में अपनी भगिनि यमुना से भेंट करने पहुंचते हैं।इस दिन को भाई दूज और यम द्वितीया कहते हैं। भाई दूज, पांच दिवसीय दीपावली महापर्व का अंतिम दिन होता है। भाई दूज का पर्व भाई-बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने और भाई की लंबी उम्र के लिए मनाया जाता है। रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को अपने घर बुलाता है जबकि भाई दूज पर बहन अपने भाई को अपने घर बुलाकर उसे तिलक कर भोजन कराती है और उसकी लंबी उम्र की कामना करती है।इस दिन को लेकर मान्यता है कि यमराज अपनी बहन यमुनाजी से मिलने के लिए उनके घर आए थे और यमुनाजी ने उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन कराया एवं यह वचन लिया कि इस दिन हर साल वे अपनी बहन के घर भोजन के लिए पधारेंगे। साथ ही जो बहन इस दिन अपने भाई को आमंत्रित कर तिलक करके भोजन कराएगी, उसके भाई की उम्र लंबी होगी। तभी से भाई दूज पर यह परंपरा बन गई।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि धनतेरस से दीपावली का शंखानंद,भाई दूज तक पंचदिवसीय महापर्व शुरू।दीप जले दीपावली आई - 5 दिवसीय महापर्व - धनतेरस से दीपावली पर्व का आगाज़। दुनियां के हर देश में बसे भारतवंशी धनतेरस से भाई दूज तक फिर छठ महात्योहार में खुशियों से सरोबार होंगे। (लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8172

बाएँ से दाएँ

1.सरस्वती-3
3.किनारा,तट-3
5.मूल्य,कीमत-2
6.उस समय-2
8.प्रबंध,व्यवस्था-4
10.नमक-3
11.अधीन,मातहत-3
12.संज्ञा,संबोधन-2
13.मार्ग,रास्ता-2
14.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16.धुन,आसक्ति-3
18.जमानत-4
20.रहस्य-2
22.पुत्र,तनय-2
23.मुलायम-3
24.गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1.संध्या,सांझ-2
2.असुर,दैत्य-3
3.शोरबा,रसा-3
4.बुरी आदत-2
5.प्रवेश,एडमिट-3
7.वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8.प्रियतम,साजन-4
9.अनाज-2
11.सनसनी,रोमांच-4
14.तृतीय-3
15.सच्चाई,सत्य-2
17.जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18.मुंशी,दीवान-3
19.रवैया,तरीका-3
21.आम जनता-2
22.लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8171 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारत के चिराग ने अंडर-23 विश्व चैंपियशिप कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता

तिराना (ईएमएस)। भारत के चिराग चिक्कारा ने यहां अंडर-23 विश्व चैंपियशिप कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता है। पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में चिक्कारा ने किर्गिस्तान के अब्दिमालिक कराचोव को 4-3 से हराया। वह अमन सहरावत के बाद अंडर-23 चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष पहलवान हैं। इससे पहले सहरावत ने 2022 में इस प्रतियोगिता के इसी वजन वर्ग में स्वर्ण जीता था। रवि कुमार दहिया ने 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। चिराग ने प्री-क्वार्टर फाइनल में गौकोटो ओजावा को 6-1 से, अंतिम आठ चरण में इयुनुस इवबातीरोव को 12-2 से और सेमीफाइनल में एलन ओरलबेक को 8-0 से हराया।

चिराग की जीत के बाद पुरुषों की फ्रीस्टाइल श्रेणी में भारत के पदकों की तादाद बढ़ गयी है। उसके दो कांस्य पदक भी शामिल हैं। इससे भारतीय टीम 82 अंक लेकर टीम तालिका में ईरान (158), जापान (102) और अजरबैजान (100) से पीछे चौथे स्थान पर है। भारत ने पुरुषों की ीस्टाइल में दो और कांस्य पदक जीते, जिससे इस वर्ग में देश के पदकों की संख्या चार हो गई। एक अन्य मुकाबले में भारत के विक्की ने पुरुषों की 97 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में यूक्रेन के यूरोपीय जूनियर चैंपियन इवान प्राइमाचेंको को 7-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। विक्की ने पहले दौर में जॉर्जिया के मेरब सुलेमानिश्विली को और क्वार्टरफाइनल में मोल्दोवा के राडू लेफ्टर को हराया था पर सेमीफाइनल में वह ईरान के महदी हाजीलोइयन मोराफा से हार गए थे। पुरुषों की 70 किग्रा फ्रीस्टाइल में भारत के ही सुजीत कलकल ने 0-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ताजिकिस्तान के मुस्तफो अखमेदोव को 13-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। सुजीत ने पहले दौर में जॉर्जी एंटोनोव जिजगोव को 10-0 से, प्री-क्वार्टर में तुग्सजर्गल एर्डेनेबैट को 7-4 से और क्वार्टर फाइनल में नारेक पोहोसियन को 6-1 से हराया था पर सेमीफाइनल में वह मैगोमेद बसिहर खानिएव से 4-8 से हार गए थे। इससे पहले अभिषेक ढाका ने कांस्य पदक जीता था। इस तरह से भारत ने फ्रीस्टाइल में चार पदक (एक स्वर्ण और तीन कांस्य) जीतकर अपने पिछले साल के प्रदर्शन में सुधार किया। पिछले साल भारत ने फ्रीस्टाइल वर्ग में दो कांस्य पदक जीते थे।

अब तीसरे टेस्ट में भारतीय टीम लगाएगी पूरा जोर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए यहां 1 नवंबर से मेहमान टीम न्यूजीलैंड के साथ होने वाला तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच बेहद अहम होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य वानखेड़े स्टेडिमय में होने वाले इस मैच को हर हाल में जीतना रहेगा। पहले दो मैचों में हार से भारतीय टीम के हाथों से सीरीज पहले ही निकल गयी है। इसके अलावा उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की संभावनाओं पर भी प्रभाव पड़ा है। अब देखना है कि इस मैच में भारतीय टीम की क्या रणनीति होती है।

अब भारतीय टीम के सामने वानखेड़े में कीवी टीम के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच में न सिर्फ प्रतिष्ठा बचाने की चुनौती होगी, बल्कि डब्ल्यूटीसी को ध्यान में रखकर मुकाबला भी जीतना होगा। घरेलू धरती में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन ने कई सवाल खड़े किए हैं। इससे कोच, कप्तान और अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली भी निशाने पर हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ न तो गंभीर की कोचिंग काम आई और न ही कप्तान रोहित की रणनीति। जबकि, विराट कोहली बल्ले से लगातार संघर्ष कर रहे हैं। जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी में भी वो पुरानी धार नजर नहीं आई। अब सवाल यह है कि जब खिलाड़ी ही विफल रहेंगे तो अन्य खिलाड़ियों से क्या उम्मीद की जाए। पिछले 12 साल में टीम इंडिया को अपने ही घर में पहली बार किसी टीम से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है और अब उसके सामने एक बड़ा खतरा है क्लीन स्वीप का। न्यूजीलैंड ने तो इतिहास बना दिया लेकिन अब टीम इंडिया क्लीन स्वीप से बचना चाहेगी। अगर, कीवी टीम वानखेड़े टेस्ट भी जीतने में सफल होगी तो यह एक बड़ा रिकॉर्ड होगा क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम का घर पर कभी भी लगातार तीन मैच नहीं हारी है।

माना जा रहा है कि तीसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मुंबई में 30 और 31 अक्टूबर को अभ्यास करेगी। ये सत्र सभी खिलाड़ियों के लिए अनिवार्यहोगा। रोहित, कोहली और बुमराह जैसे सीनियर प्लेयर्स को भी आराम नहीं मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज में गंभीर नहीं लक्ष्मण होंगे कोच

मुम्बई (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण भारतीय टीम के मुख्य कोच बनाये जा सकते हैं। लक्ष्मण अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में कोच हैं। उन्हें गौतम गंभीर की जगह कोच की जिम्मेदारी दी जा सकती है। गंभीर हालांकि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कोच रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत 8 नवंबर से शुरू होगी.

भारतीय टीम 8, 10, 13 और 15 नवंबर को क्रमशः डरबन, गेबेरा, सेंचुरियन और जोहान्सबर्ग में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। टीम 4 नवंबर के आसपास रवाना होगी। भारतीय टीम 10-11 नवंबर को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए रवाना होगी। ऐसे में गंभीर टेस्ट टीम के साथ होंगे इसलिए लक्ष्मण टी20 टीम के कोच होंगे। अन्य कोच साईराज बहुतुले, ऋषिकेश कानिटकर और सुभादीप घोष, लक्ष्मण के साथ ही कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे।

बहुतुले , कानिटकर और घोष ओमान में एशिया इमर्जिंग कप टूर्नामेंट में भी भारतीय टीम के साथ थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने चार टी20 मैचों के लिए सूर्यकुमार यादव को भारतीय टीम का कप्तान बनाया है। 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी.

टी20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), हार्दिक पांडया, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार व्यशांक, आवेश खान, यश दयाल

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का अंक प्रतिशत घटा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंकतालिका में अभी भी नंबर एक पर बनी हुई है पर उसका अंक प्रतिशत घटा है। भारतीय टीम के पुणे टेस्ट से पहले 68.06 प्रतिशत अंक थे पर इस मैच में हारने के बाद उसके अंकों का प्रतिशत घटकर 62.82 रह गया है। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 113 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज भी खो दी।

अंक तालिका में भारतीय टीम अब भी पहले स्थान पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर बरकरार है हालांकि अभी ये नहीं कहा जा सकता है कि कौन सी दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी, क्योंकि अभी भी पांच टीमें अंक तालिका के अनुसार फाइनल की रेस में बनी हुई हैं। अभी तक केवल वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और बांग्लादेश ही फाइनल की रेस से बाहर हुइ हैं। नियमों के अनुसार अगर कोई टीम 60 प्रतिशत अंकों पर अपना अभियान समाप्त करती है, तो उसके फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं बनी रहेगी। भारतीय टीम ने पिछली बार 58.8 प्रतिशत अंकों के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था पर उसके फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 209 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। अभी भारतीय टीम के 13 मैचों में 8 जीत, 4 हार और 1 ड्रॉ के साथ 98 अंक हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम के 12 मैचों में 8 जीत, 3 हार और 1 ड्रॉ के साथ 90 अंक हैं। अभी अब 20 टेस्ट मैच बचे हैं, ऐसे में फाइनल की रेस कठिन होना तया है।

भारतीय टीम के 62.82 प्रतिशत अंक हैं और उसे अब न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट जीतना होगा। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया को अपनी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-2 से हराना होगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के 62.50 प्रतिशत अंक हैं और वह दूसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया को फाइनल नल में पहुंचने अपने बाकी सात मैचों में से पांच जीतने की आवश्यकता है। श्रीलंका के 55.56 प्रतिशत अंक हैं और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-0 से जीत के बाद, श्रीलंका को चार मैच और खेलने हैं। यदि वे सभी जीतते हैं, तो उनका प्रतिशत 69.23 पहुंच जाएगा।न्यूजीलैंड 50.00 प्रतिशत के साथ ही फाइनल की रेस में बनी हुई है। भारत के खिलाफ दो जीत से कीवी टीम की उम्मीदें बढ़ी हैं।

सीए ने पाकिस्तान दौरे के लिए घोषित किया ऑस्ट्रेलियाई दल

सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पाकिस्तान दौरे के लिए 13 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई दल की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अगले माह होने वाले इस दौरे में एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी। हैरानी की बात ये है कि ऑस्ट्रेलिया ने टी20 टीम के लिए कप्तान के नाम की घोषणा नहीं की है। टी20 सीरीज 14 से 18 नवंबर तक खेली जाएगी जबकि इसके तुरंत बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी शुरु होगी। ऑस्ट्रेलिया के नियमित टी20 कप्तान मिचेल मार्श भी भारत के खिलाफ टेस्ट की तैयारियों में लगे हैं। माना जा रहा है कि इसीलिए सीए ने टी20 टीम के लिए 13 खिलाड़ियों का एक स्क्वॉड घोषित किया है, इसमें से किसी भी खिलाड़ी ने इससे पहले कप्तानी नहीं की है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ का हुआ लाभ

मुम्मई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं गत सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहा था। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 602.75 अंक करीब 0.76 फीसदी बढ़कर 80,005.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 158.35 अंक तकरीबन 0.65 फीसदी की बढ़त के साथ 24,339.15 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स भी बढ़त पर बंद हुए।

अमेरिकी बाजारों में अनिश्चितता के कारण निवेश सतर्कता बरत रहे हैं। वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत हल्की तेजी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 273 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 79,675 और एनएसई का निफ्टी 74.35 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी ऊपर आकर 24,255 पर था।

दिवाली से पहले बाजार में आई इस तेजी के कारण निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ है।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सबसे ज्यादा लगभग 3 फीसदी बढ़ा। ।2024-25 की दूसरी तिमाही में मुनाफा बढ़ने से बैंक के शेयर में आज उछाल देखा गया । बैंक ने शनिवार को दूसरी तिमाही के परिणाम जारी किये थे। इसके अलावा जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयर आज नीचे आये।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला है। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में तेजी, वैश्विक बाजारों से मजबूत रुझान और घरेलू निवेशकों की लगातार खरीदारी से बाजार में उत्साह का माहौल रहा। , विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 3,036.75 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से मिल रहे मिश्रित रुझानों की वजह से भारतीय शेयर बाजार में जारी गिरावट पर हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को ब्रेक लग गया। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 सोमवार को बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 410 अंक की बढ़त के साथ 79,812 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 106 अंक की बढ़त के साथ 24,286 पर कारोबार कर रहा था।

शिंजो आबे की पार्टी बहुमत से चूकी जापान में किसी को बहुमत नहीं

टोक्यो (ईएमएस)। जापान में सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी गठबंधन को संसद में बहुमत नहीं मिल पाया है। एलडीपी को सिर्फ 191 सीटें मिली हैं और उसे 65 सीटों का नुकसान हुआ है। पिछले 15 साल में पार्टी का यह सबसे खराब रिजल्ट है। एलडीपी और उसकी सहयोगी पार्टी कोमिटो को कुलमिलाकर 215 सीटें मिली हैं।

सरकार चलाने के लिए गठबंधन को 233 सीटें हासिल करनी होंगी। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने पिछले महीने पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव जीता था जिसके बाद वे देश के प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद इशिबा ने चुनाव कराने का ऐलान किया था।

चुनाव परिणाम के बाद जापानी पीएम ने कहा कि चुनाव परिणाम उनके पक्ष में नहीं आए हैं। जनता ने कठोर फैसला सुनाया है। वे विनम्रता से इसे स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल वे किसी और दल को जोड़ने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। चुनाव से पहले जापानी मीडिया में दावा किया जा रहा था कि एलडीपी को अगर बहुमत नहीं मिला तो पीएम इशिबा पद छोड़ सकते हैं।

अमेरिका के लाख मनाने के बाद भी नहीं माना इजरायल, उड़ा दिया ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम

वाशिंगटन,(ईएमएस)। इजरायल की सेना ने शनिवार को ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमले करने का दावा किया है, जिससे दोनों देशों के बीच स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, इजरायल ने ईरान के एक गुप्त परमाणु ठिकाने को निशाना बनाते हुए तेहरान के दक्षिण-पूर्व में स्थित एक सैन्य अड्डे की सुविधाओं को नुकसान पहुंचाया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस ठिकाने को पहले ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम से जोड़ा गया था। इस हमले को लेकर इजरायल और अमेरिका के बीच कुछ समझौते थे। इजरायल ने अमेरिका को आश्वासन दिया था कि वह ईरान के तेल संयंत्रों और नाभिकीय ठिकानों को नहीं निशाना बनाएगा। हालांकि, हालिया घटनाक्रम में इजरायल ने इस वादे को तोड़ते हुए हमले को अंजाम दिया। सेटेलाइट तस्वीरों में इस साइट पर हमले की पुष्टि हुई है।

ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है, लेकिन पश्चिमी देशों, खासकर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, का मानना है कि तेहरान सक्रिय रूप से अपने परमाणु कार्यक्रम को विकसित कर रहा है।

इजरायल के हमले में चार ईरानी सैनिकों की मौत होने की सूचना है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजरायली हमले को बढ़ा-चढ़ाकर बताने और उसे कम करके आंकने से मना किया है, जबकि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे सफल बताया और कहा कि इससे ईरानी सेना को गंभीर नुकसान हुआ है।

इस संघर्ष की जड़ें तब और गहरी हो गईं, जब हमास के नेता इस्माइल हानिया की हत्या ईरान में कर दी गई। हानिया, जो तेहरान में औपचारिक दौरे पर थे, एक होटल में बम धमाके में मारे गए। ईरान ने इस हत्याकांड के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराते हुए जवाबी हमले किए, जिससे तनाव और बढ़ गया। इस प्रकार, दोनों देशों के बीच संघर्ष का यह नया चरण एक गंभीर भू-राजनीतिक संकट का संकेत देता है, जिसके व्यापक प्रभाव हो सकते हैं। वैश्विक समुदाय इस स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है, क्योंकि ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बन गया है।

उत्तरी गाजा में इजराइली हमलों में 22 लोगों की मौत: फलस्तीनी अधिकारी

गाजा(ईएमएस)। उत्तरी गाजा पर इजराइल के हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है, जिसमें 11 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शनिवार रात बेत लाहिया में हुई, जहां कई मकानों और इमारतों पर हवाई हमले किए गए। उत्तरी गाजा में इजराइल के हमले तीसरे सप्ताह भी जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय आपदा की स्थिति बन गई है। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने चरमपंथियों पर हमला किया और नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाए। हालाँकि, उसने हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की और मीडिया द्वारा प्रकाशित आंकड़ों को गलत बताया। इस बीच, उत्तरी तेल अविव मेंएक ट्रक ने बस स्टॉप से टकराकर कई लोगों को घायल कर दिया, जिसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

गाजा में जारी संघर्ष के कारण हाल के महीनों में विस्थापन की लहर तेज हो गई है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों फलस्तीनी गाजा सिटी छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इजराइल लगातार हवाई और जमीनी हमले कर रहा है, जबकि लेबनान में हिजबुल्ला के साथ भी संघर्ष जारी है। इजराइल ने हाल ही में ईरान पर हवाई हमले किए हैं, जिसका दावा किया गया है कि यह ईरान द्वारा इजराइल पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों का जवाब है।

ईरान के नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस हमले को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने ईरानी लोगों की इच्छाशक्ति और ताकत के बारे में इजराइली शासन को समझाने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिवाली पर बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य का माता-पिता रखें विशेष ध्यान

नई दिल्ली (ईएमएस)। दीवाली का त्यौहार देश में हर साल धूमधाम से मनाया जाता है। खासतौर से बच्चों के लिए यह समय बहुत खास होता है, क्योंकि वे नए कपड़े पहनते हैं, मिठाइयां खाते हैं, और पटाखों का आनंद लेते हैं। हालांकि, उत्सव के दौरान सावधानी भी जरुरी होती है, ताकि इस हंसी-खुशी के माहौल में कोई घटना नहीं हो जाए। दीवाली पर बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य का ख्याल रखकर पेरेंट्स को कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए।

दरअसल दीवाली में बच्चों का सबसे ज्यादा ध्यान पटाखों पर रहता है। पटाखे जलाते समय बच्चों से कोई गलती नहीं हो जाए इस बात का ध्यान माता-पिता को जरुर रखना चाहिए। क्योंकि दीवाली के इस त्यौहार में आग का बहुत प्रयोग होता है। दीए और मोमबत्ती का इस्तेमाल हर घर में होता है। इसलिए जिस घर में छोटे बच्चे रहते है, वहां जबावदेही ज्यादा होती है।

दीए और मोमबत्ती जलाते समय ध्यान रखें

दीयों और मोमबत्तियों को पर्दों और जल्दी आग पकड़ने वाली वस्तुओं से दूर रखें। बिजली के तारों के पास दीए न जलाएं, उन्हें समतल सतह पर रखें। बच्चों और पालतू जानवरों को दीयों से दूर रखें। दरवाजे पर दीए रखने से बचें, ताकि गिरकर कोई चोट नहीं आए।

पटाखों से बच्चों को दूर रखें

माता-पिता इसकी की कोशिश करें कि पटाखे न फोड़ें, क्योंकि पटाखे फोड़ने से पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों पर असर पड़ता है। अगर इसके बाद भी पटाखे फोड़ने की योजना है, तब बच्चों को सिर्फ बड़ों की देखरेख में ही पटाखे जलाने दें। खुले स्थान पर पटाखे जलाएं, और एक समय में एक ही पटाखा जलाएं। सुरक्षा के लिए पास में पानी की बाल्टी रखें और पटाखों का कचरा बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

शोर और प्रदूषण से बचावः छोटे बच्चों को तेज शोर वाले पटाखों से दूर रखना चाहिए। क्योंकि तेज आवाज से वे डर सकते हैं। बच्चों को प्रदूषित धुएं में बाहर न जाने दें, खासकर अगर उन्हें एलर्जी है। शोर को कम करने के लिए खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें।

कपड़ों का रखें ध्यानः बच्चों के लिए आरामदायक और सूती कपड़े चुनें, जो आसानी से आग न पकड़ें। सिंथेटिक कपड़े पहनाने से बचें और उनके बाल बांधकर रखें।

जापान में एलडीपी और कोमिटो रह गई बहुमत से दूर, बनेगा नया समीकरण

टोक्यो (ईएमएस)। जापान में हालिया आम चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी कोमिटो का सत्तारूढ़ गठबंधन बहुमत के आंकड़े से पीछे रह गया है। यह पहली बार है कि बीते 15 वर्षों में एलडीपी और उसके सहयोगी ने निचले सदन में अपना बहुमत नहीं पा सके है।

इससे पहले, उन्हें यह स्थिति 2009 में भी अनुभव हुई थी। चुनाव परिणामों के अनुसार, एलडीपी और कोमिटो को संसद के 465 सदस्यों वाले सदन में कुल 215 सीटें प्राप्त हुईं, जो बहुमत के लिए जरुरी 233 सीटों से कम हैं। एलडीपी ने सिर्फ 191 सीटें जीतीं, जो कि चुनाव से पहले उनके पास मौजूद 247 सीटों की तुलना में काफी कम है। वहीं, प्रमुख विपक्षी पार्टी, जापान की संवैधानिक लोकतांत्रिक पार्टी ने चुनाव में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है,

जिससे यह पार्टी 148 सीटों पर पहुंच गई है, जबकि चुनाव से पहले उनके पास केवल 98 सीटें थीं। यह चुनाव परिणाम मीडिया की पूर्वानुमानों के अनुरूप आए हैं और यह स्लश फंड घोटाले के बाद पहला राष्ट्रव्यापी मतदान है, जिसने सत्तारूढ़ पार्टी को हिलाकर रख दिया था। इस घोटाले के कारण जनता का एलडीपी में विश्वास कम हुआ, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा।

इस चुनाव में कुल 1,344 उम्मीदवारों ने भाग लिया, जो कि 2021 के पिछले चुनाव में 1,051 उम्मीदवारों की तुलना में अधिक हैं। इस चुनाव का महत्व इस कारण भी बढ़ गया है क्योंकि यह देश की राजनीतिक दिशा और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण निर्णयों का संकेत देता है।

एलडीपी और कोमिटो के बहुमत खोने के बाद राजनीतिक परिदृश्य में नए बदलाव की संभावना बनाती दिख रही है, जिससे आने वाले समय में देश की राजनीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिलेगा हैं। विपक्षी पार्टी की बढ़ती ताकत और सहयोगी दलों की सक्रियता के चलते जापान की राजनीति में नए समीकरणों का गठन हो सकता है, जो कि भविष्य के चुनावों में और भी प्रभावी साबित हो सकता है।

कनाडा में पढ़ते हैं भारत के 2.30 लाख छात्र

ब्रिटेन को फीस से मिलते हैं 2.10 लाख करोड़

कनाडा (ईएमएस)। कनाडा में भारत के 2.30 लाख छात्र पढ़ाई करने के लिए वहां पर हैं। भारतीय छात्रों द्वारा 2.10 लाख करोड रुपए की फीस कनाडा के कॉलेज और विश्वविद्यालयों में अदा की जाती है। इसके अलावा जो छात्र वहां पढ़ने के लिए जाते हैं। वह अपने पार्ट टाइम जॉब, रहने की किराए और ट्रांसपोर्टेशन में बहुत बड़ी राशि कनाडा में खर्च करते हैं। कनाड़ा के 100 कॉलेज भारतीय छात्रों की दम पर चल रहे हैं। कनाडा की 20इ अर्थव्यवस्था भारतीय छात्रों के कारण है।

कनाडा एंप्लॉयमेंट सर्विस 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 2.10 लाख भारतीय छात्र कनाडा में पार्ट टाइम काम भी कर रहे हैं। कनाडा में प्रवासी छात्रों मे सबसे ज्यादा संख्या भारतीय छात्रों की है। भारतीय मूल के 28 फ़ीसदी लोग आईटी के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

2023 तक भारतीय कंपनियों ने कनाडा में लगभग 45000 करोड रुपए का निवेश किया था। इसमें सबसे ज्यादा निवेश आईटी सेक्टर में है। कनाडा के कई उद्योगपतियों ने भारतीय कंपनियों के साथ कई अनुबंध किये हैं। ऐसी स्थिति में यदि कनाडा और भारत के कोई संबंध बिगड़ते हैं, तो कनाडा को इसका ज्यादा नुकसान होगा। ऐसा आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है।

भारतीय शेयर बाजार को लेकर बुरी खबर,चिंता में निवेशक

मुंबई,(ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार इन दिनों अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहा है। दरअसल विदेशी निवेशकों की भारी निकासी के बाद अब निवेशकों के लिए एक और चिंताजनक खबर आई है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति निवेशकों के भरोसे में कमी का संकेत दे रही है, और आने वाले समयमेंबाजार में गिरावट का सिलसिला फिर से शुरू होगा है। अक्टूबर महीने में कैश मार्केट टर्नओवर 7 महीने के निचले स्तर पर है। वर्तमान में रोजाना का कैश टर्नओवर औसतन 1.15 लाख करोड़रुपये रहा,जो पिछले महीने की तुलना में 12.5प्रतिशतकमहैायहगिरावट निवेशकों की सर्तकता को दिखाती है,जो वैश्विक बाजार में उठापटक औरयुद्ध की तनावपूर्ण स्थिति के कारण उत्पन्न हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे निवेशकों में डर है कि बाजार में तेज गिरावट आ सकती है।

शेयर बाजार में कैश मार्केट टर्नओवर का मतलब है कि निवेशकों ने प्रतिदिन औसतन कितनी खरीद-फरोख्त की। अक्टूबर में यह आंकड़ा लगातार चौथे महीने गिर रहा है, जो दिखाता है कि निवेशकों का बाजार पर विश्वास घट रहा है। बाजार जानकारों के अनुसार, निवेशक बाजार के वैल्यूएशन को लेकर चिंतित हैं, और यही कारण है कि कैश मार्केट टर्नओवर में कमी आई है। लंबी अवधि केनिवेशकोंकी हिस्सेदारी केवल 10 प्रतिशत रह गई है, जबकि शॉर्ट टर्म निवेशकों का हिस्सा बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में भारतीय बाजार अपने 52 सप्ताह के शीर्ष स्तर से करीब 8 प्रतिशत नीचे है, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में 9 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस स्थिति में विदेशी निवेशकों ने लगभग 87,000 करोड़ रुपये का निवेश बाजार से निकाल लिया है, जिससे बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

पीएम टूडो की अपने ही देश में हो रहा थू-थू, उनके दावों को पुलिस कमिश्नर ने ठुकराया

टोरंटो (ईएमएस)। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो द्वारा लगाए गए आरोपों को खुद कनाडा पुलिस कमिश्नर माइक डुहेम ने ठुकरा दिया है।

दरअसल पीएम टूडो ने दावा किया था कि निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता है, लेकिन डुहेम के हालिया बयान से यह स्पष्ट हुआ है कि मामले में भारत की भूमिका को लेकर कोई पुख्ता सबूत नहीं हैं।

हालांकि, डुहेम ने बताया कि उनकी जांच कई दिशा में चल रही है और उन्होंने कहा, हम सुराग और सबूतों के आधार पर बात करते हैं। पुलिस प्रमुख का यह बयान पीएम टूडो के पहले के दावों से असंगत है और कनाडा की पुलिस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है। निज्जर को खालिस्तान आंदोलन का एक प्रमुख समर्थक माना जाता था, जबकि भारत सरकार ने उसे आतंकवादी करार दिया था। निज्जर की हत्या ने भारतीय और कनाडाई अधिकारियों के बीच संबंधों को और बिगाड़ दिया है, जिससे कूटनीतिक गतिरोध गहरा हो गया है।

कश्मीर-कश्मीर चिल्लाया पाकिस्तान

- जरदारी ने भी कश्मीर मुद्दे पर भारत को निशाना बनाते हुए की कश्मीरियों के प्रति अपने समर्थन की घोषणा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान एक बार फिर कश्मीर मुद्दे पर काला दिवस मनाते हुए भारत के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी कर रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत द्वारा दिए गए कड़े जवाब के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से पीछे नहीं हटा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मियां शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कश्मीर मुद्दे पर भारत को निशाना बनाते हुए कश्मीरियों के प्रति अपने समर्थन की घोषणा की। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे भारत पर कथित मानवाधिकार हनन रोकने के लिए दबाव बनाएं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने का आह्वान किया। जरदारी ने अपने संदेश में कश्मीरियों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्हें पाकिस्तान का कूटनीतिक, राजनीतिक और नैतिक समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी कश्मीर मुद्दे पर आक्रामक तेवर अपनाते हुए आरोप लगाया कि भारत जम्मू और कश्मीर पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 हटाकर भारत ने कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था, जिससे वहां की जनता के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। शहबाज ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों को उनकी आकांक्षाओं के लिए पूरा समर्थन देता रहेगा। कश्मीर मामलों के मंत्री आमिर मुकाम ने भी अपने बयान में आरोप लगाया कि भारत कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने कश्मीरियों के संघर्ष का समर्थन करते हुए उन्हें बहादुर बताया और कहा कि पूरा पाकिस्तानी राष्ट्र उनके साहस को सलाम करता है। भारत के खिलाफ इस बयानबाजी के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रतिनिधियों ने पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे पर बार-बार उकसावे और झूठे आरोप लगाने के लिए फटकार लगाई है। भारत ने कहा है कि पाकिस्तान को अपने देश में आंतरिक समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और सीमा पार से आतंकवाद फैलाने से बचना चाहिए।

1,25,000 रुपए किलो तक पहुंच सकती है चांदी, 86,000 रुपए तक पहुंच सकती हैं सोने की कीमत

मुंबई (ईएमएस)। इस साल सोने की कीमत में 33 फीसदी की तेजी आई है लेकिन चांदी की कीमत में 46 फीसदी की बढ़त देखी जा चुकी है। हाल में चांदी की कीमत एक लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंची थी। सुर?क्षित ?निवेश के ?लिए निवेशक चांदी का रुख कर रहे हैं। साथ ही इसका इंडस्ट्रियल उपयोग भी बढ़ रहा है। यही वजह है कि इसकी कीमत में तेजी आ रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का कहना है कि मध्यम से लंबी अवधि में चांदी का प्रदर्शन सोने के बराबर या उससे बेहतर हो सकता है। अगले 12 से 15 महीनों में एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 1,25,000 रुपए प्रति किलो और कॉमेक्स पर 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की उम्मीद है। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म का कहना है कि मध्यम अवधि में सोने की कीमत 81,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और लंबी अवधि में 86,000 रुपए तक पहुंच सकती हैं। कॉमेक्स पर सोने के मध्यम अवधि में 2,830 डॉलर और लंबी अवधि में 3,000 डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सोना हाल के वर्षों में लगातार सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एसेट्स में से एक रहा है। इस साल सोने की कीमतें कॉमेक्स और घरेलू बाजारों दोनों पर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। बाजार के एक जानकार ने कहा कि 2024 में बाजार की अनिश्चितताओं, दरों में कटौती की उम्मीदों, बढ़ती मांग और रुपये में गिरावट के कारण कीमतों में उल्लेखनीय तेजी आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बाद के महीने सोने की निकट अवधि की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण होंगे। इस साल कीमती धातुओं में तेजी के दो प्रमुख कारक फेडरल रिजर्व से दरों में कटौती की उम्मीद और मध्य पूर्व में बढ़ रही भू-राजनीतिक हलचल है। दिवाली में सेंटिमेंट पॉजिटिव रहने का अनुमान है।

धनतेरस से पहले घट गए सोने-चांदी के भाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिवाली और धनतेरस से पहले सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ 78,187 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है, जबकि चांदी की कीमत में भी 1.00 फीसदी की गिरावट आई है, ये 96,160 रुपए प्रतिकिलो ग्राम पर कारोबार कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,150 रुपए लुढ़क कर 80,050 रुपए प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। चांदी भी बिकवाली दबाव में रही और 2,000 रुपए फिसलकर एक लाख रुपए से नीचे 99,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। इससे पहले बृहस्पतिवार को चांदी 1.01 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर (एचयूआईडी) कहते हैं।

पाकिस्तान में चिकनगुनिया का कहर, अस्पतालों में पैर रखने की जगह नहीं

- प्रमुख अस्पतालों में हर दिन 500 से 750 नए मरीजों का किया जा रहा है इलाज

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के कराची शहर में चिकनगुनिया वायरस का प्रकोप तेज हो गया है, जिससे शहर के सरकारी अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। हालात इतने खराब हैं कि प्रमुख अस्पतालों में हर दिन 500 से 750 नए मरीजों का इलाज किया जा रहा है। चिकनगुनिया, जो एडीज एजिप्टी मच्छरों के काटने से फैलता है, ने पहले से ही लचर स्वास्थ्य प्रणाली को और कमजोर कर दिया है। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पतालों में फर्श पर इलाज करने की नौबत आ गई है। चिकनगुनिया एक वायरल बीमारी है, जिसका नाम तंजानिया और मोजाम्बिक की किमाकोंडे भाषा के एक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ विकृत हो जाना है। हाल के महीनों में बुजुर्गों और मधुमेह के मरीजों में इस बीमारी के गंभीर मामले सामने आए हैं, जिससे कई मरीज लकवा और कुछ कोमा में चले गए हैं। इसके साथ ही हृदय और आंखों संबंधी बीमारियों के लक्षण भी देखे जा रहे हैं। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार मई से सितंबर के बीच कराची में 172 मरीजों का पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (पीसीआर) टेस्ट पॉजिटिव आया है। हालांकि, असली मामले इससे कहीं ज्यादा हो सकते हैं, क्योंकि कई मरीज बिना परीक्षण के ही इलाज करा रहे हैं। डॉक्टर अक्सर लक्षण देखकर ही इलाज शुरू कर रहे हैं, जिससे मरीजों का प्लेटलेट काउंट गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। इस बीच सरकारी सहायता की कमी ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। पाकिस्तान में निजी इलाज की लागत अत्यधिक है, जिससे गरीब मरीजों के लिए उपचार कराना मुश्किल हो रहा है। कराची के सरकारी अस्पतालों में चिकनगुनिया के लिए अलग वार्ड की व्यवस्था नहीं है, जबकि मरीज सामान्य वार्ड में इलाज करा रहे हैं। सिंध संक्रामक रोग अस्पताल और अनुसंधान केंद्र के एक अ?धिकारी ने चेतावनी दी है कि चिकनगुनिया और डेंगू का प्रकोप दिसंबर तक जारी रह सकता है। इस स्थिति में पाकिस्तान की स्वास्थ्य प्रणाली को तत्काल सहायता और सुधार की आवश्यकता है ताकि मरीजों को उचित उपचार मिल सके और महामारी के बढ़ते प्रकोप को नियंत्रित किया जा सके।

अमेरिकी चुनाव में चीनी हैकर्स का बोलबाला , नेशनल सिक्योरिटी अधिकारियों को हैक करने के सबूत मिले

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में चीन की रुचि जागृत हो गई है। चीन के हैकरों ने चुनाव अभियान के दौरान बहुत सारा डाटा हैक किया है। इस हैकिंग को चीन से जोड़ा जा रहा है। अमेरिका की टेलीकॉम कंपनियों को चीन के हैकरों ने अपना निशाना बनाया है। अमेरिका की सुरक्षा अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है

सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से प्राप्त जानकारी के अनुसार साल्ट टायटून नामक हैकर्स की इसमें विशेष भूमिका है। अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी अधिकारियों के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी जेडी वांस के फोन हैकरों के निशाने पर हैं। चीन के हैकरों ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और डेमोक्रेटिक पार्टी के चुनाव अभियान को संचालित करने वाले स्टाफ और सीनेटर के फोन को भी निशाने पर लिया है। अमेरिका के सुरक्षा अधिकारियों का मानना है, चुनाव अभियान से जुड़ी जानकारी को चीनी हैकर्स द्वारा हैक किया जा रहा है। इसका चुनाव में किस तरह से उपयोग होगा। अभी क्या पाना मुश्किल है।

वैश्विक भुगतान में अमेरिकी डॉलर की अहम भूमिका, यूरो में गिरावट

- पिछले दो वर्षों में डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया

- अनुसार पिछले दो वर्षों में अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया है।

मुंबई (ईएमएस)। वैश्विक भुगतान में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी 49 फीसदी तक पहुंच गई, जो 12 वर्षों में सबसे अधिक है। हाल ही में एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। स्विफ्ट रिपोर्ट के डेटा के अनुसार पिछले दो वर्षों में अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया है। इस दौरान यूरो की हिस्सेदारी 39 फीसदी से घटकर 21 फीसदी पर आ गई है, जो कि एक दशक में सबसे कम है। इसलिए अमेरिकी डॉलर वैश्विक मुद्रा के रूप में अपनी प्रमुखता बनाए रखे हुए है और यह स्थिति स्पष्ट है कि इस मामले में कोई अन्य मुद्रा इसकी तुलना में नहीं आ पा रही है। यूरो की घटती हिस्सेदारी के पीछे विभिन्न आर्थिक और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, जिनमें यूरोपीय संघ की आर्थिक स्थिरता, व्यापार संतुलन और अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाएं शामिल हो सकती हैं।

इस हफ्ते बाजार में किसी नए आईपीओ की नहीं होगी लिस्टिंग

- एक नवंबर को दिवाली के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस त्योहारी हफ्ते में नए आईपीओ की उम्मीद करने वाले निवेशकों को निराशा हो सकती है, क्योंकि आगामी सप्ताह में कोई नया आईपीओ नहीं आएगा। हालांकि इस हफ्ते आठ आईपीओ की लिस्टिंग होगी, जिनमें प्रमुख नाम वारी एनर्जीज लिमिटेड का है। दिवाली के कारण इस हफ्ते शेयर बाजार में हलचल थोड़ी धीमी रहने की संभावना है। इस हफ्ते बाजार केवल चार दिन खुलेगा, क्योंकि एक नवंबर को दिवाली के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहेगा। हालां??कि इस दिन शाम 6 बजे से 7 बजे तक एक घंटे के लिए विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया जाएगा, जो निवेशकों के लिए एक शुभ अवसर माना जाता है। आठ आईपीओ की लिस्टिंग में तीन आईपीओ मेन बोर्ड पर हैं, जबकि बाकी पांच आईपीओ एसएमई (छोटे और मझोले उद्यम) सेगमेंट में हैं। मेन बोर्ड के तीन प्रमुख आईपीओ में वारी एनर्जीज, दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, और गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड शामिल हैं। एसएमई सेगमेंट के पांच आईपीओ में प्रीमियम प्लास्ट लिमिटेड, दानिश पावर लिमिटेड, यूनाइटेड हीट ट्रांसफर लिमिटेड, ओबीएससी परफेक्शन लिमिटेड, और उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड शामिल हैं। यह आईपीओ लिस्टिंग छोटे निवेशकों के लिए अच्छा अवसर साबित हो सकती है। इसके अलावा आगामी समय में भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर से आईपीओ की बहार देखने को मिल सकती है। जानकारी के अनुसार, करीब 26 कंपनियाँ 72,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लाने की योजना बना रही हैं। साथ ही, 55 अन्य कंपनियां भी सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जिनके माध्यम से वे 89,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती हैं।

500 फीट आकार का एस्टेरॉयड धरती के करीब से गुजरेगा, नासा ने किया अलर्ट

विशेषज्ञों का मानना यदि धरती से टकराया तो मच सकती बड़ी तबाही

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। नासा ने चेतावनी दी है कि एक विशालकाय एस्टेरॉयड 28 अक्टूबर यानी सोमवार को धरती के बहुत करीब से गुजरेगा। इस खगोलीय पिंड को एस्टेरॉयड 2020 डब्ल्यूजी का नाम दिया गया है, जिसका आकार 500 फीट का है। यह एस्टेरॉयड करीब 33,947 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष में सफर कर रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि यह क्षुद्रग्रह धरती के पास बिंदु पर करीब 33.3 लाख किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा।

2020 डब्ल्यूजी को खतरनाक एस्टेरॉयड माना जा रहा है, जिसका मतलब है कि यह धरती के पास आते ही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। हालांकि इस दूरी के कारण इस बार किसी गंभीर खतरे की आशंका नहीं है। नासा विशेषज्ञ टीम हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है, ताकि समय रहते जरूरी कदम उठाए जा सकें।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस आकार का एस्टेरॉयड, यदि धरती से टकराता है, तो यह बड़ी तबाही ला सकता है। इसके टकराने से लाखों टन टीएनटी के बराबर ऊर्जा निकल सकती है, जो धरती के एक बड़े हिस्से पर असर डाल सकती है। ऐसे खगोलीय पिंडों पर नजर रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इनकी टक्कर से बड़ी तबाही मच सकती है।

हाल ही में 26 अक्टूबर को एक अन्य एस्टेरॉयड 2024 टीबी2 भी पृथ्वी के पास से गुजरा था। यह एस्टेरॉयड हवाई जहाजकेआकार का था, जो पृथ्वी से केवल 11,764 किलोमीटर की दूरी पर था। इसके बावजूद वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई थी कि यह चंद्रमा की कक्षा से आगे निकल जाएगा और यह अनुमान सही साबित भी हुआ। भविष्य में इस प्रकार के खतरों को कम करने और संभावित आपदाओं से निपटने के लिए नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां काम कर रही हैं।

नासा के वैज्ञानिक इस एस्टेरॉयड के अध्ययन और उस पर लगातार नजर रखे हुए हैं। इसके अलावा, नासा का एलियन जीवन की खोज से जुड़ा मिशन भी जल्द शुरू होने वाला है, जिसमें बृहस्पति के चंद्रमा पर जीवन के संकेतों की तलाश की जाएगी। ऐसे शोध न केवल धरती की सुरक्षा तय करेंगे, बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान में नई जानकारियों को उजागर करने में भी मददगार साबित होंगे।

अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में स्कॉलरशिप पर 64 हजार पाकिस्तानी छात्र बना रहे बेहतर भविष्य

लंदन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में स्कॉलरशिप किसी भी छात्र का सपना होता है जो उसके भविष्य को बेहतर बना सकता है। वर्तमान में करीब 64,000 से अधिक पाकिस्तानी छात्र दुनिया के कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा पा रहे हैं, इतना ही नहीं यह संख्या हर साल बढ़ रही है। पाकिस्तानी छात्रों को सबसे अधिक अमेरिका, फिर ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया की प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों से विशेष स्कॉलरशिप्स की पेशकश होती है। कई पाकिस्तानी छात्र इन स्कॉलरशिप्स को पाने की क्षमता और योग्यता रखते हैं, लेकिन उचित तरीके और जानकारी की कमी के कारण वे सही तरीके से आवेदन नहीं कर पाते । कुछ ऐसी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों की प्रमाणित जानकारी एकत्र की गई है, जो विशेष रूप से पाकिस्तानी छात्रों को स्कॉलरशिप्स देती हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए विशेष स्कॉलरशिप देती है। यहां एक से अधिक स्कॉलरशिप प्रोग्राम हैं, और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय पाकिस्तानी छात्रों को भी स्कॉलरशिप्स प्रदान करता है जो केवल पाकिस्तानी छात्रों के लिए होती हैं। ये स्कॉलरशिप ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय अपने कार्यक्रम ''द ऑक्सफोर्ड पाकिस्तान प्रोग्राम'' के तहत देती है, इसमें कई नामी पाकिस्तानी व्यक्ति भी लाभान्वित हो चुके हैं।

द यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन

ब्रिटेन के एक और विश्वविद्यालय, द यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन, रैंकिंग में ब्रिटेन की 11वीं और दुनिया का 80वीं सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय में करीब 500 छात्र विभिन्न कोर्सों में स्कॉलरशिप पर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

यह विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए ''प्रेसीडेंटल स्कॉलरशिप'' और ''द ग्रेंट '' नाम से विभिन्न स्कॉलरशिप देती है। ''द ग्रेंट '' स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत 10,000 पाउंड की ग्रांट के अलावा टयूशन फीस भी भरी जाती है। यह विश्वविद्यालय पीएचडी के लिए भी ''प्रेसीडेंटल स्कॉलरशिप प्रोगाम '' के तहत स्कॉलरशिप और ग्रांट देती है। पाकिस्तानी छात्रों के लिए विशेष प्रवेश कार्यक्रम के अलावा स्कॉलरशिप प्रोग्राम भी मौजूद हैं।

ब्रिटेन की एक और विश्वविद्यालय, जो वर्तमान में वैश्विक रैंकिंग में 78वें नंबर पर है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में करीब 400 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। द यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो अंतरराष्ट्रीय छात्रों और पाकिस्तानी छात्रों को विज्ञान, कानून और प्रौद्योगिकी में विभिन्न कोर्सों और डिग्री के लिए स्कॉलरशिप्स ऑफर करती है। इस विश्वविद्यालय की ओर से ''द ग्रेट '' स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत 10,000 पाउंड तक की पेशकश की जाती है, जबकि एक अन्य प्रोग्राम में 5,000 पाउंड की पेशकश की जाती है। इस स्कॉलरशिप, कोर्स और प्रवेश के बारे में सभी जानकारी उनकी वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

वहीं द यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर वैश्विक रैंकिंग में 34वें नंबर पर जबकि ब्रिटेन में छठे नंबर पर है। वर्तमान में करीब 225 पाकिस्तानी छात्र इस विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। द यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर ग्रेजुएशन के लिए मेरिट पर 100 स्कॉलरशिप की पेशकश करती है, जिसमें तीन साल के कोर्स के लिए लगभग 24,000 पाउंड की ग्रांट दी जाती है। यह स्कॉलरशिप दक्षिण एशियाई छात्रों के लिए है। यह विश्वविद्यालय मास्टर प्रोग्राम के लिए 230 स्कॉलरशिप की पेशकश करता है।

द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम

द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम की वैश्विक रैंकिंग 85वीं है, जबकि ब्रिटेन में इसकी रैंकिंग 12वीं है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में लगभग 400 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। द यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम ज्यादातर बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और इंजीनियरिंग के प्रोग्राम के लिए स्कॉलरशिप्स ऑफर करती है।

राजकोट-मोरबी-जामनगर में मिनी जापान बनने की ताकत...पीएम मोदी ने सौराष्ट्र को दिया दिवाली का तोहफा

अमरेली,28 अक्टूबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात दौरे पर हैं. आज सुबह उन्होंने स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ के साथ रोड शो करने के बाद टाटा-एयरबस प्लांट द्वारा स्थापित सैन्य मालवाहक विमानों की असेंबली के लिए एक संयंत्र का उद्घाटन किया। इसके बाद वह अमरेली के दुधाला पहुंचे, जहां उन्होंने भारत माता सरोवर का उद्घाटन किया और बाद में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस बीच उन्होंने सौराष्ट्र के 9 जिलों को रु. 4800 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात। इससे अमरेली, जामनगर, मोरबी, देवभूमि द्वारका, जूनागढ़, पोरबंदर, कच्छ, भावनगर और बोटाद जिलों को फायदा होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'सौराष्ट्र और अमरेली की धरती रत्नों की धरती है. अमरेली वह भूमि है जिसने योगीजी महाराज, भोज भगत, दुला भाया काग, कालापी, रमेश पारेख, के. लाल, जीवराज मेहता दिए। गुजरात के लोक जीवन में ऐसी कोई शाम नहीं होती जब गुजरात के किसी कोने में दुला भाया काग को कोई याद न करता हो, ऐसी कोई डायरी नहीं होती, ऐसी कोई लोक कथा नहीं होती जिसमें काग बापू की चर्चा न होती हो। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'एक तरफ संस्कृति का उत्सव है, दूसरी तरफ विकास का उत्सव है और आज का दिन भारत की एक नई छाप है. आज पूरा विश्व भारत की बात गंभीरता से सुनता है, ध्यान से सुनता है। राजकोट, मोरबी, जामनगर एक ऐसा त्रिकोण है, जो भारत का मैन्युफैक्चरिंग हब कहलाने की ताकत रखता है, ये मिनी जापान बनने की ताकत रखता है।'

इस दौरान उन्होंने नर्मदा के बारे में बात करते हुए कहा कि 'एक समय था जब आप नर्मदा की परिक्रमा भी कर लेते थे तो भी पुण्य मिलता था, युग बदल गया है, मां नर्मदा स्वयं गांव में घूमकर पुण्य बांट रही हैं, जल भी बांट रही हैं. आज जहां-जहां नर्मदा का पानी पहुंचा है, वहां तीन फसलें ली जा रही हैं, जो किसान एक फसल लेता था, आज वह तीन फसलें ले रहा है।'

केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग इको सिस्टम नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है. सी-295 विमान फैक्ट्री नए भारत की नई कार्य संस्कृति का परिचायक है। यह प्लांट दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करेगा और 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' अभियान को बढ़ावा देगा। वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड। फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) सी-295 विमान सुविधा का उद्घाटन भारतीय एयरोस्पेस उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। जो भारत के रक्षा विनिर्माण (रक्षा संसाधनों का उत्पादन) क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर है।' कौशल और रोजगार सृजन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'एयरबस-टाटा फैक्ट्री जैसी परियोजनाएं हजारों नौकरियां पैदा करेंगी। फैक्ट्री 18 हजार विमान भागों के स्वदेशी उत्पादन का समर्थन करेगी, जिससे पूरे भारत में एमएसएमई के लिए भारी अवसर पैदा होंगे। आज भी भारत दुनिया की प्रमुख विमान कंपनियों को पार्ट्स का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। एक नई विमान फैक्ट्री भारत में नए कौशल और नए उद्योगों को अच्छा बढ़ावा देगी।'

गुजरात के इस प्रसिद्ध मंदिर में चोरी की नाकाम कोशिश

हालोल,28 अक्टूबर

पावागढ़ मंदिर में चोरी का प्रयासः दिवाली के अवसर पर, विश्व प्रसिद्ध पावागढ़ के पवित्र मंदिर में हर दिन लाखों लोग आते हैं, मंदिर में चोरी के प्रयास की घटना सामने आने के बाद सुबह से ही मंदिर को भक्तों के लिए बंद कर दिया गया था।. हालांकि पुलिस द्वारा पूरी जांच करने के बाद यह बात सामने आई है कि चोरी का असफल प्रयास किया गया था. इस घटना की जानकारी मिलते ही पावागढ़ पुलिस का काफिला मंदिर पहुंचा और सीसीटीवी के आधार पर जांच की. जांच के बाद पता चला कि माताजी के आभूषण चोरी नहीं हुए थे और पुलिस व्यवस्था समेत मंदिर के प्रशासनिक तंत्र ने भी यह बात स्वीकार कर ली है. जिला पुलिस प्रमुख ने कहा है कि मंदिर में कोई चोरी नहीं हुई है.

लॉरेंस बिश्नोई करता है पूजा-पाठ और मौन व्रत,जेल में बंद गैंगस्टर की दिनचर्या पर नजर

अहमदाबाद (ईएमएस)। चर्चित गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गुजरात के साबरमती जेल में बंद है। पहले सिद्धू मूसेवाला और फिर बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर इन दिनों लॉरेंस बिश्नोई की चर्चा देशभर में हो रही है। बेहद सुरक्षित साबरमती जेल में लॉरेंस को कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है। हालांकि इसके बावजूद शातिर लॉरेंस अपने गुर्गों तक आदेश पहुंचाने में कामयाब रहता है। पंजाब और राजस्थान की जेलों से तो वह टीवी इंटरव्यू तक दे चुका है। लॉरेंस बिश्नोई साबरमती जेल की अंडा सेल में अकेला रहता है और कोई दूसरा कैदी उसके आसपास नहीं है। दिन में बहुत कम समय के लिए वह बाहर निकलता है। जेल में लॉरेंस बिश्नोई की दिनचर्या पर नजर डालें तो वह सुबह 5 बजे जग जाता है। जल्दी स्नान करने के बाद काफी देर तक पूजा-पाठ में अपना समय बिताता है। बिश्नोई बेहद धार्मिक किस्म का है। वह सुबह सेल में काफी देर तक ध्यान लगाकर पाठ करता है। वह सप्ताह में दो दिन मौन व्रत रखता है।

नवरात्रि में 9 दिन के अलावा अन्य पर्व त्योहारों पर भी लॉरेंस व्रत रखता है। वह खाने में अन्न कम और फल, दूध-दही अधिक लेता है। खाली वक्त में वह जेल में कसरत करता है। वह 24 घंटे सीसीटीवी की निगरानी में रहता है। लॉरेंस अगस्त 2023 से साबरमती जेल में बंद है। इससे पहले वह तिहाड़ जेल के अलावा पंजाब और राजस्थान की जेलों में रह चुका है।

700 शूटर्स वाले गैंग का सरगना

जेल में बंद होने के बावजूद लॉरेंस करीब 700 शूटर्स वाले गैंग को संचालित कर रहा है जो देश में इस समय खौफ का दूसरा नाम है। पंजाब से मुंबई तक लॉरेंस अपने डर का साम्राज्य कायम करने में लगा हुआ है।

कांग्रेस ने बीते चार साल में जीएसआरटीसी में एक भी ड्राइवर-कंडक्टर की भर्ती ना करने पर उठाए सवाल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) द्वारा डेढ़ साल में निगम द्वारा 2800 बसें खरीदने का गुणगान करने वाली भाजपा सरकार ने 4 साल की लंबी अवधि के बावजूद एक भी ड्राइवर-कंडक्टर की भर्ती क्यों नहीं की? गुजरात के युवाओं को वंचित करने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि जीएसआरटीसी द्वारा बार-बार पेशकश के बाद वर्ष 2023 में विज्ञापन दिया गया जिसमें लगभग 1,50,000 युवाओं ने कंडक्टर के लिए और लगभग 80,000 युवाओं ने ड्राइवर के लिए आवेदन किया लेकिन पिछले 4 वर्षों का लम्बा समय बीत जाने के बावजूद भी एस.टी. निगम ने एक भी ड्राइवर कंडक्टर की भर्ती नहीं की है। यदि बस चलाने के लिए ड्राइवर/कंडक्टर उपलब्ध नहीं हो तो बस का संचालन बंद हो जाता है। जिससे यात्रा करने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है यह बेहद गंभीर मामला है कि मंजूरी मिलने के बावजूद जीएसआरटीसी ने पिछले 4 साल से ड्राइवर/कंडक्टरों की भर्ती नहीं की है। जीएसआरटीसी ने बसों और संबंधित स्पेयर पार्ट्स की खरीद जारी रखी। लेकिन बसों के संचालन के लिए बुनियादी आवश्यकताओं वाले ड्राइवर/कंडक्टरों की भर्ती नहीं की। जीएसआरटीसी में भर्ती प्रक्रिया के लिए एक पूरा विभाग काम कर रहा है। जिसमें अधिकारी/कर्मचारी नियोजित किये जायेंगे। उनके लिए यह जांच का विषय है कि जीएसआरटीसी ने पिछले 4 साल में क्या किया है? जीएसआरटीसी ने भर्ती न करने की अपनी निष्क्रियता को छिपाने के लिए 17 फरवरी 2024 को जारी एक प्रेस नोट में निगम के सेवानिवृत्त ड्राइवरों/कंडक्टरों को संविदा के आधार पर नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी राज्य में ड्राइवर/कंडक्टर योग्यता वाले लाखों उम्मीदवार नौकरी पाने के लिए कतार में हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार की जीएसआरटीसी ने पिछले चार वर्षों से भर्ती प्रक्रिया नहीं करके हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य अंधकार में डाल दिया है। क्योंकि इस दौरान जिन अभ्यर्थियों की उम्र पूरी हो चुकी होगी वे अब नौकरी से वंचित हो जाएंगे और अपना जीवन परेशानी में गुजारेंगे। दूसरी ओर चूँकि ड्राइवर स्तर के कर्मचारी की 58 वर्ष की आयु पार करने के बाद उसकी आँखें कमजोर हो जाती हैं तथा उसके शरीर की कार्यक्षमता भी कम हो जाती है, इसलिए उसे सरकारी नियमों के अनुसार सेवा से सेवानिवृत्त कर दिया जाता है। बावजूद इसके जीएसआरटीसी सेवानिवृत्त लोगों के हाथों 50 से 60 यात्रियों की जिंदगी दांव पर लगा रहा है। जिससे कभी-कभी दुर्घटना हो जाती है, लोग घायल हो जाते हैं, किसी की मौत हो जाती है तो इसका जिम्मेदार कौन है? इस दौरान निगम के मुखिया रहे आई.ए.एस. श्री गांधी जिन्हें उनकी सेवानिवृत्ति से पहले सरकार द्वारा रेरा में पुनः नियुक्त किया गया है,

कांग्रेस की नारोल दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को 1-1 करोड़ की आर्थिक सहायता देने की मांग

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस ने अहमदाबाद के नारोल क्षेत्र की देवी सिंथेटिक नामक कपड़ा कंपनी में हुई हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए की और घायलों को रु. 50-50 लाख की वित्तीय सहायता देने की मांग की है गुजरात कांग्रेस के महासचिव राजेश सोनी ने इस घटना को पत्रकार परिषद की जिसमें राजेश सोनी ने कहा कि नारोल में देवी सिंथेटिक नामक कपड़ा कंपनी में हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और चार लोग बुरी तरह घायल हो गए, जो वेंटिलेटर पर हैं जबकि तीन अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। यह घटना टैंक को खाली करते समय कास्टिक सोडा के साथ सल्फ्यूरिक एसिड के मिश्रण की रासायनिक प्रतिक्रिया के कारण होती है। सल्फ्यूरिक एसिड खतरनाक कचरे की श्रेणी में आता है और अगर खतरनाक कचरे का उपयोग करना है तो अहमदाबाद नगर निगम के साथ-साथ गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियम-9 के अनुसार अनुमति लेनी होगी। एसिड भंडारण के लिए लाइसेंस निगम के स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त करना पड़ता है। 23 जुलाई 2024 को गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आर.टी.आई. क्रमांक 457 के उत्तर में स्पष्ट कहा गया है कि इस देवी सिन्थेटिक ने नियम-9 के तहत कोई अनुमोदन प्राप्त नहीं किया है। अहमदाबाद नगर निगम के एक आरटीआई के जवाब में निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गई कि इस कंपनी ने एसिड स्टोरेज के लिए किसी भी तरह का लाइसेंस नहीं लिया है अगर दोनों तरह के लाइसेंस इस कंपनी के पास नहीं हैं तो फिर कंपनी इस गंभीर किस्म के एसिड का इस्तेमाल कैसे कर रही थी? अहमदाबाद नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग 2 अगस्त 2024 को जब इस कंपनी को कारण बताओ नोटिस दिया गया तो कंपनी ने अपने लेटरपैड पर 3 अगस्त 2024 अंकित कर स्वास्थ्य विभाग गलत उत्तर दिया। जिसमें उन्होंने साफ कहा कि हमारे पास एसिड भंडारण का लाइसेंस है। इसी हेल्थ डिपार्टमेंट में सेफ एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी का खतरनाक अपशिष्ट के संबंध में अनुबंध जिसका प्रमाणपत्र क्रमांक 102828 और जिसकी सीमा 5 जुलाई 2021 से 5 जुलाई 2026 तक थी यदि जीपीसीबी के जवाब के अनुसार इस कंपनी के पास खतरनाक कचरे की अनुमति नहीं है तो ये झूठा पत्राचार करने का अहमदाबाद नगर निगम को किस कारण करना पड़ा? अहमदाबाद नगर निगम द्वारा लाइसेंस नं. 41/2024-25 इस कंपनी को प्रोसेस लाइसेंस प्रदान किया गया है। उस लाइसेंस में एसिड भंडारण लाइसेंस का कोई जिक्र नहीं है 21 अगस्त 2024 को अहमदाबाद नगर निगम के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट ने चालान नंबर जारी किया। एमसीएचएलएन 202 40 821108693 के जरिए आदर्श आंतरिक सफाई ना करने के लिए 10,000/- का जुर्माना लगाया गया। तो क्या अहमदाबाद नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग को यह नहीं पता था कि इस कंपनी के पास एसिड भंडारण का लाइसेंस नहीं है? इस कंपनी के खिलाफ चार महीने तक स्थानीय नेताओं और नागरिकों द्वारा गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अहमदाबाद नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में लिखित शिकायतें की गईं। लेकिन इन दोनों खातों और बहुत स्पष्ट रूप से जीपीसीबी अधिकारी और नगर निगम द्वारा इस कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को पता था कि कंपनी के पास सल्फ्यूरिक एसिड के इस्तेमाल का कोई लाइसेंस नहीं है और निगम के सामने पेश किए गए सबूत पूरी तरह से झूठे हैं अधिकारियों ने भ्रष्टाचार पर आँखें मूँद लीं और लोगों के मरने का इंतज़ार करते रहे और जब घटना घटी और लोग मर गए तब भी कोई कार्रवाई नहीं की। इस कंपनी को नियम-9 का अनुपालन न करने पर 28 अक्टूबर 2024 के माध्यम से बंद करने का नोटिस जारी किया गया है और रु. 25,00,000/- का जुर्माना लगाया गया है हांलाकि अब तक अहमदाबाद नगर निगम इस संबंध में निगम ने कोई कार्रवाई नहीं की जीपीसीबी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार और कर्तव्य में लापरवाही के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हमारी स्पष्ट मांग है कि जिम्मेदार अधिकारियों को तुरंत निलंबित किया जाए और पुलिस शिकायत में उन्हें भी आरोपी बनाया जाए और पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाए गुजरात प्रदेश कांग्रेस के मीडिया सह-संयोजक और प्रवक्ता हेमांग रावल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की मांग है कि नारोल में गैस रिसाव की घटना में जान गंवाने वाले निर्दोष श्रमिकों के परिजनों को एक करोड़ रुपये और घायलों को पचास लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए

पश्चिम रेलवे द्वारा दिवाली और छठ पूजा के दौरान लगभग 200 स्पेंशल ट्रेनों का परिचालन

अहमदाबाद (ईएमएस) हर साल दिवाली और छठ पूजा के लिए देश भर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश और बिहार आते हैं। ये त्योशहार उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि अपने परिवार से मिलने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करते हैं। त्योहारी सीजन में यात्रियों की भारी भीड़ के कारण, अधिकांश ट्रेनों में टिकट दो से तीन महीने पहले ही वेटिंग लिस्ट में आ जाते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, भारतीय रेलवे इस साल एक बार फिर त्योहारी सीजन के दौरान विशेष ट्रेनें चला रहा है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों की सुविधा और यात्रा की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, इस वर्ष पश्चिम रेलवे दिवाली/छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान 200 विशेष ट्रेनें चला रही है। इनमें से लगभग 40 ट्रेनें पश्चिम रेलवे के मुंबई डिवीजन द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाई जा रही हैं, जिनमें 22 ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा के लिए हैं। अतिरिक्त विशेष ट्रेनों के संचालन की निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मंडल और मुख्यालय स्तर पर की जा रही है, जिसकी योजना भी तदनुसार बनाई जाती है। इसी तरह, ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची की भी वास्तविक समय के आधार पर दैनिक निगरानी की जाती है। ये विशेष ट्रेनें पश्चिम रेलवे से इन गंतव्यों के लिए चलाई जाने वाली नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त हैं। उपलब्धता और मांग के अनुसार नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे भी जोड़े जाते हैं।

पश्चिम रेलवे यात्रियों को सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए सभी संभव प्रयास कर रही है और इस दिशा में अपेक्षित व्यवस्था की जा रही है। गौरतलब है कि भीड़ की निगरानी और नियंत्रण के लिए बांद्रा टर्मिनस, सूरत, उधना, वडोदरा, अहमदाबाद आदि जैसे अधिक आवाजाही वाले स्टेशनों पर अधिकतम कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा, पश्चिम रेलवे ने मुंबई मंडल के चुनिंदा प्रमुख स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से 8 नवंबर, 2024 तक अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। ये स्टेशन हैं मुंबई सेंट्रल, दादर, बांद्रा टर्मिनस, बोरीवली, वसई रोड, वापी, वलसाड, उधना और सूरत। इस कदम का उद्देश्य प्लेटफार्मों पर भीड़ को प्रबंधित करना और स्टेशन परिसर के भीतर यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना है।

आईपीएस हसमुख पटेल को जीपीएससी अध्यक्ष नियुक्त किया गया

28 अक्टूबर,

आईपीएस हसमुख पटेल जीपीएससी अध्यक्ष नियुक्तः राज्य पुलिस भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष आईपीएस हसमुख पटेल को गुजरात लोक सेवा आयोग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर हसमुख पटेल को जीपीएससी का अध्यक्ष नियुक्त किया है। गुजरात सरकार ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 316 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत आईपीएस हसमुख पटेल को जीपीएससी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।

लगातार दूसरे दिन भूकंप के झटके से थराई सौराष्ट्र की धरती

अहमदाबाद (ईएमएस) दिवाली त्योहार से पहले सौराष्ट्र की धरती लगातार दूसरे दिन भूकंप के झटके से थर्रा उठी। बीते दिन अमरेली जिले के विभिन्न हिस्से में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, वहीं आज गिर सोमनाथ जिले के तलाला तालुका में भूकंप आया शुरुआती जानकारी के मुताबिक गिर सोमनाथ जिले के तालाला में दोपहर करीब 3.52 बजे भूकंप महसूस किया गया है भूकंप के झटके महसूस होने के बाद तलाला शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भयभीत लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप की तीव्रता 1.2 से 1.5 आंकी गई है भूकंप का केंद्र दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में तलाला से 1 किमी दूर होने का पता चला है बता दें कि रविवार को अमरेली जिले में भूकंप का झटका आया था जिले के धारी, खांभा, लाठी, लीलिया, सावरकांडला इलाकों में भूकंप के झटके महसूस होने से लोगों में भय फैल गया था सावरकांडला के मितियाला, धजड़ी, साकरपारा गांवों में भी भूकंप महसूस किया गया गांधीनगर भूकंप विज्ञान विभाग ने बताया कि अमरेली में 3.7 तीव्रता का भूकंप का झटका आया।

6 नवंबर तक अहमदाबाद, असारवा और साबरमती स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट पर रोक

अहमदाबाद (ईएमएस) आगामी त्योहारी सीजन के दौरान बेहतर क्राउड मैनेजमेंट के तहत अहमदाबाद मण्डल के अहमदाबाद, असारवा और साबरमती स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से अस्थायी प्रतिबंध लगा गया है। इस का उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर भीड़ को नियंत्रित करना और स्टेशन परिसर के भीतर यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना है। दिवाली त्योहार और छठ पूजा के दौरान प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से 6 नवंबर 2024 तक लागू रहेगा।

इन लोगों को मिलेगी छूट :

यात्रा को आसान बनाने के लिए वरिष्ठ नागरिकों और चिकित्सा संबंधी ज़रूरत वाले लोगों को इन प्रतिबंधों से छूट दी गई है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे त्योहार के दौरान सुचारू और सुरक्षित यात्रा अनुभव के लिए तदनुसार योजना बनाएं और नए नियमों का पालन करें।

एअर इंडिया और टाटा टेक्नोलॉजीज ने यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सहयोग किया

पुणे, मुंबई, गुरुग्राम, भारत, 28 अक्टूबर 2024ः टाटा टेक्नोलॉजीज, एक वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवाओं की कंपनी, एअर इंडिया के साथ साझेदारी में अपने विमान इंटीरियर में परिवर्तन करके एक उन्नत यात्रा अनुभव देने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है। यह सहयोग एअर इंडिया की नागरिक उड्डयन महा निदेशालय (डजीर्ण) के डिज़ाइन ऑर्गेनाइजेशन अप्रूवल (डीे) के तहत र्पि 21 (पार्ट 21) की उपलब्धि के अनुरूप है, जिससे एअर इंडिया को विमान में इन-हाउस बदलाव करने की अनुमति मिलती है। यह सहयोग एअर इंडिया की संचालन उत्कृष्टता और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एअर इंडिया ने टाटा टेक्नोलॉजीज को अपने विमान इंटीरियर को नए सिरे से डिजाइन करने के लिए अपने रणनीतिक साझेदार के रूप में चुना है। एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में दशकों के वैश्विक अनुभव का लाभ उठाते हुए, टाटा टेक्नोलॉजीज डिजाइन से लेकर वैलिडेशन, वजन अनुकूलन और एर्गोनोमिक्स तक की संपूर्ण समाधान प्रदान करेगा। ये इनोवेशन यात्रियों के अनुभव को पुनः परिभाषित करेंगे और विमान के इंटीरियर को सुरक्षित और कार्यात्मक बनाने के साथ-साथ आधुनिक आराम और अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित करेंगे। अग्रणी एयरोस्पेस OEMs के साथ कार्य करने के टाटा टेक्नोलॉजीज के गहरे अनुभव से इस परिवर्तन को गति मिलेगी।

इस रेल इंफ्रा परियोजना ने राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में बहुत बड़ा योगदान दिया

कनेक्टिविटी, रोजगार के अवसर, पर्यटन और व्यापार में सुलभता के असंख्य अवसर खुलेंगे

भारतीय रेल ने देश के बहुआयामी विकास में बड़ा योगदान दिया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 28 अक्टूबर, 2024 को गुजरात के अमरेली के लाठी में आयोजित एक समारोह में लगभग 1100 करोड़ रुपये की लागत वाली भुज-नलिया गेज परिवर्तन परियोजना राष्ट्र को समर्पित की। इस इंफ्रास्ट्रक्चरल परियोजना का विवरण इस प्रकार हैः

भुज-नलिया गेज परिवर्तन परियोजना 1094.37 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई है। इस खंड में 24 बड़े और 254 छोटे पुलों के साथ-साथ 3 रोड ओवर ब्रिज और 30 रोड अंडर ब्रिज शामिल हैं। इस खंड के पूरा होने के साथ, भुज-नलिया मीटर गेज लाइन को भारतीय रेल की यूनी-गेज नीति के तहत ब्रॉड गेज लाइन में बदल दिया गया है। इस खंड ने कच्छ जिले के दूरदराज के इलाकों को बाकी रेल नेटवर्क के साथ निर्बाध ब्रॉड गेज रेल संपर्क प्रदान किया है। भुज-नलिया रेल लाइन ने पोर्ट कनेक्टिविटी को भी बढ़ाया है और कच्छ जिले में पोर्ट के रास्ते निर्यात/आयात को बढ़ावा दिया है। इस क्षेत्र में सीमेंट उद्योगों को भी काफी बढ़ावा मिला है और इससे नमक, खनिज और अन्य कच्चे माल का कुशल परिवहन भी सुगम हुआ है। इन विकासों से रोज़गार के अधिक अवसर पैदा होंगे, जिससे इस क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में सुधार होगा।

वेरंडा लर्निंग सॉल्यूशंस लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 में रु. 600 करोड़ का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य

चेन्नई, भारत, - अक्टूबर 28, 2024 - शिक्षा क्षेत्र में एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करने वाली एक शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी वेरंडा लर्निंग सॉल्यूशंस लिमिटेड ने घोषणा की है कि वित्त वर्ष 2025 में रु. 600 करोड़ का राजस्व लक्ष्य हासिल करने का लक्ष्य.

कंपनी की स्थापना 2018 में कलापति एजीएस ग्रुप द्वारा की गई थी, जिसकी कंपनी में लगभग 55 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अधिग्रहण के जरिए कंपनी का तेजी से विस्तार हुआ है। मई, 2023 में, उन्होंने रुपये का भुगतान किया। 400 करोड़ की लागत से सात कंपनियों का अधिग्रहण किया गया। 27 सितंबर, 2024 को अपनी छठी वार्षिक आम बैठक में, कंपनी अपनी वृद्धि और विस्तार योजनाओं को वित्तपोषित करने के लिए रुपये तक के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर, बांड या अन्य उपकरण जारी करेगी। 1,000 करोड़ रुपये की कर्ज सीमा बढ़ाने की इजाजत.

कंपनी का लक्ष्य रोमांचक विकास अवसरों का लाभ उठाते हुए वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में मजबूत परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन बनाए रखना है। वित्तीय वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कंपनी की परिचालन आय रु. जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 118.99 करोड़ रुपये थी। 68.90 करोड़ राजस्व से 72.69 प्रतिशत अधिक था। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में कंपनी का एबिटडा पांच गुना बढ़कर रु. जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 27.61 करोड़ रुपये थी। 5.64 करोड़ रुपये से काफी अधिक था।

वेरांडा लर्निंग सॉल्यूशंस के कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष, श्री सुरेश कल्पपति ने कहा, ''कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में आकर्षक विकास के अवसरों का लाभ उठाते हुए मजबूत परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन जारी रखा है। परंपरागत रूप से ऑफ-सीजन अवधि होने के बावजूद पहली तिमाही में प्रभावशाली वृद्धि देखी गई। यह महत्वपूर्ण वृद्धि कंपनी की उच्च परिचालन दक्षता और उसकी रणनीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन को दर्शाती है। वित्त वर्ष 2025 में हम रु. हम 600 करोड़ के राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह एक मील का पत्थर है जो उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और क्षेत्र की क्षमता में हमारे विश्वास को दर्शाता है।

कंपनी के तीन नए बोर्ड सदस्य हैं, प्रो. जीतेन्द्र कांतिलाल शाह, प्रो. अशोक मिश्रा एवं सुश्री एन. अलामेलु को शामिल करने की घोषणा की, जो शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित नेताओं के साथ अपने बोर्ड को पेशेवर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जकेशाह क्लासेज के संस्थापक प्रो. जितेंद्र कांतिलाल शाह 40 वर्षों से अधिक समय से शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं। जेकेशाह क्लासेस ने सीएस, सीएस, सीएमए और सीएफए योग्यताओं के लिए उम्मीदवारों को सफलतापूर्वक कोचिंग देकर भारत भर में हजारों पेशेवरों के करियर को आकार दिया है।

पश्चिम रेलवे चलायेगी अहमदाबाद और गोरखपुर के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा दिवाली और छठ पूजा त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद और गोरखपुर के बीच विशेष किराये पर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

ट्रेन संख्या 09449/09450 अहमदाबाद-गोरखपुर-अहमदाबाद स्पेशल (कुल 10 फेरे)

ट्रेन संख्या 09449 अहमदाबाद-गोरखपुर स्पेशल 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक प्रत्येक बुधवार को अहमदाबाद से 22:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा शुक्रवार को सुबह 04:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09450 गोरखपुर-अहमदाबाद स्पेशल 01 नवंबर से 29 नवंबर 2024 तक प्रत्येक शुक्रवार को गोरखपुर से सुबह 07:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 14:00 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, आग्रा फोर्ट, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या धाम, मनकापुर एवं बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल क्लास के कोच रहेंगे। ट्रेन संख्या 09449 की बुकिंग 29 अक्टूबर, 2024 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। यात्री कृपया ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.enquiry.iåianrail.gov.in का अवलोकन करें।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन

सिग्नल और टेलीकॉम कार्य

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या : DRM-SnT-ADI-Sig 07 of 2024-25 भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी की ओर से कार्यरत डीआरएम / एस एंड टी निविदा सं : DRM-SnT-ADI-Sig 07 of 2024-25 के अंतर्गत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, अंतिम तिथि 20.11.2024, 15:00 बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक ही अपनी मूल/संशोधित बोलियां प्रस्तुत कर सकेंगे, इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी भी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **(1) कार्य का नाम :** अहमदाबाद मंडल के महेसाणा - तरंगा सेक्शन की मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणालियों में इनबिल्ट ब्लॉक वर्किंग के प्रावधान द्वारा विश्वसनीयता में सुधार के संबंध में ANSALDO मेक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में परिवर्तन /संशोधन। **(2) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹1,06,25,202.10/- (एक करोड़ छह लाख पच्चीस हजार दो सौ दो रुपये और दस पैसे केवल) **(3) बयाना जमा राशि :** ₹2,03,100/- (दो लाख तीन हजार एक सौ रुपये केवल) **(4) समापन की तिथि और समय :** 20.11.2024 को 15:00 बजे तक। **(5) निविदा खोलने की तिथि और समय :** 20.11.2024 को 15:30 बजे खुलेगा। (6) ई-टेंडरिंग की वेबसाइट : www.ireps.gov.in 215

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन

दूरसंचार सुविधाएं प्रदान करना

निविदा आमंत्रण संख्या - DRM-SnT-ADI-Tele 09 OF 24-25 भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी की ओर से कार्यरत डीआरएम / एस एंड टी निविदा सं : DRM-SnT-ADI-Tele 09 OF 24-25 के अंतर्गत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, अंतिम तिथि 18.11.2024, 15:00 बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक ही अपनी मूल/संशोधित बोलियां प्रस्तुत कर सकेंगे, इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी भी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **(1) कार्य का नाम :** महेसाणा-तरंगा खंड के लिए दूरसंचार सुविधाएं प्रदान करना, अहमदाबाद मंडल की मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणालियों में इनबिल्ट ब्लॉक वर्किंग के प्रावधान द्वारा विश्वसनीयता में सुधार करना। **(2) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹3,19,27,703.00/- (तीन करोड़ उन्नीस लाख सत्ताईस हजार सात सौ तीन रुपये मात्र) **(3) बयाना जमा राशि :** ₹3,09,600/-(रु. तीन लाख नौ हजार छह सौ मात्र) **(4) समापन की तिथि और समय :** 18.11.2024 को 15:00 बजे तक। **(5) निविदा खोलने की तिथि और समय :** 18.11.2024 को 15:30 बजे खुलेगा। (6) ई-टेंडरिंग की वेबसाइट : www.ireps.gov.in 216

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद डिवीजन

सिग्नल एंड टेलीकम्युनिकेशन कार्य

निविदा आमंत्रण संख्या - DRM-SnT-ADI-Tele 11 OF 24-25 भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी की ओर से कार्यरत डीआरएम / एस एंड टी निविदा सं : DRM-SnT-ADI-Tele 11 OF 24-25 के अंतर्गत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं, अंतिम तिथि 18.11.2024, 15:00 बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक ही अपनी मूल/संशोधित बोलियां प्रस्तुत कर सकेंगे, इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी भी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **(1) कार्य का नाम :** साबरमती, चांदलोडिया, खोडियार, गांधीनगर, वीरमगाम और अहमदाबाद मंडल के विभिन्न स्थानों पर लेवल क्रॉसिंग गेटों को हटाना और दूरसंचार सुविधाओं का विकास करना। **(2) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹2,50,32,908.17/- (दो करोड़ पचास लाख बत्तीस हजार नौ सौ आठ रुपये और सत्रह पैसे मात्र) **(3) बयाना जमा राशि :** ₹2,75 100/-(दो लाख पचहत्तर हजार एक सौ रुपये मात्र) **(4) समापन की तिथि और समय :** 18.11.2024 को 15:00 बजे तक। **(5) निविदा खोलने की तिथि और समय :** 18.11.2024 को 15:30 बजे खुलेगा। **(6) ई-टेंडरिंग की वेबसाइट:** www.ireps.gov.in 217

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

हेस्टर बायोसाइंसिस लिमिटेड का Q2FY25 में शुद्ध लाभ वर्ष-दर-वर्ष 108% बढ़कर रु. 8.39 करोड हुआ; राजस्व 19% बढ़कर रु. 83.69 करोड हुआ

28 अक्टूबर 2024ः वैक्सिन और हेल्थ प्रोडक्ट्स बनाने वाली भारत की अग्रणी एनिमल हेल्थकेयर कंपनियों में से एक हेस्टर बायोसाइंसिस लिमिटेड ने सितंबर 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में रु. 8.39 करोड का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया है,जो वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में रु. 4.04 करोड के शुद्ध लाभ से 108%की वृद्धि है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में परिचालन से रु. 83.69 करोड का राजस्व दर्ज किया,जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में रु. 70.46 करोड के परिचालन राजस्व की तुलना में साल-दर-साल 19% की वृद्धि है। सितंबर 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के दौरान एबिटा रु. 21.96 करोड दर्ज किया गया,जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में रु. 19.12 करोड से 15% की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए ईपीएस रु. 9.86 प्रति शेयर बताई गई।

कंपनी सभी क्षेत्रों में नए इनोवेटिव सोल्युशन्स [illegible] प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में विविधता लाने पर केंद्रित है। इसके साथ-साथकंपनी हमारी परिचालन दक्षता,लाभप्रदता और विकास को बढ़ा रही है। कंपनी का लक्ष्य हेस्टर को एक समग्र एनिमल हेल्थ कंपनी के रूप में स्थापित करना है,जो प्रोडक्ट्स और सर्विसीस की व्यापक श्रृंखला के माध्यम से उद्योग की उभरती जरूरतों को पूरा करती है।

नेपाल में सहायक कंपनी ने सरकारी निविदाओं से निर्यात ऑर्डर्स को पूरा किया और अपनी विकास क्षमता का प्रदर्शन करते हुए घरेलू वैक्सीन मांग को पूरा किया। इस तिमाही में मजबूत नकदी प्रवाह के साथ हेस्टर नेपाल ऋण-मुक्त बनी हुई है। वैक्सिन की बढ़ती जागरूकता और मांग के साथ,हेस्टर अफ्रीका अंतरराष्ट्रीय निविदाओं में सक्रिय रूप से भाग ले रही है और विभिन्न अफ्रीकी देशों में व्यापार मांगों को पूरा कर रही है।

वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही के नतीजे

कंपनी ने सितंबर 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में रु. 15.88 करोड का शुद्ध लाभ दर्ज किया है,जबकि वित्तवर्ष2024की पहली छमाही में रु. 10.75 करोड का शुद्ध लाभ हुआ था,जो 48% की वृद्धि है। कंपनी ने वित्त वर्ष2025कीपहलीछमाहीकेलिए परिचालन से रु.165.96 करोड का राजस्व दर्ज किया,जो साल-दर-साल 5% की वृद्धि है। सितंबर 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही के दौरान एबिटा रु. 41.69 करोड दर्ज की गई,जो कि वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में रु. 36.00 करोड से 16% की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही के लिए ईपीएस रु. 18.66 प्रति शेयर बताई गई।

अंबुजा सीमेंट्स ने वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में स्थिर प्रदर्शन किया

अहमदाबाद, 28 अक्टूबर 2024ः सबसे भरोसेमंद विरासत सीमेंट ब्रांड, भारत की सबसे बड़ी सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनियों में से एक और विविधतापूर्ण अदाणी समूह का हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स ने आज वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही (प1) के लिए स्थिर वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा की। यह प्रदर्शन स्वस्थ मात्रा वृद्धि, संचालन के बढ़ते पैमाने, अधिग्रहित परिसंपत्तियों के मूल्य निष्कर्षण, बढ़ी हुई लागत नेतृत्व, बेहतर परिचालन क्षमता और समूह तालमेल द्वारा समर्थित है।.

अंबुजा सीमेंट्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ श्री अजय कपूर ने कहा,ठहमेंअपने विकास ब्लूप्रिंट के अनुरूप एक और सतत प्रदर्शन देने और दक्षता में नए मानक स्थापित करने की खुशी है। हम अपने व्यवसाय के मुख्य तत्वों के रूप में नवाचार, डिजिटलीकरण, ग्राहक संतुष्टि और ईएसगैस पर ध्यान केंद्रित करनाजारीरखेंगे। देश भर में अपनी मजबूत पकड़ केसाथ, हम अपने विजन के अनुरूप नए भौगोलिक क्षेत्रों में अपना विस्तार कर रहे हैं। ओरिएंट सीमेंट लेनदेन के सफल समापन के बाद, हम इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 100+ एमटीपीए क्षमता हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अहमदाबाद मण्डल पर ''सतर्कता जागरूकता सप्ताह'' के अंतर्गत सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 16 अगस्त, 2024 से 15 नवंबर, 2024 के बीच तीन माह की अवधि के लिए ''सतर्कता जागरूकता अभियान'' चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 28 अक्टूबर, 2024 से 03 नवंबर, 2024 तक ''सतर्कता जागरूकता सप्ताह'' मनाया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद सुधीर कुमार शर्मा के ने 28 अक्टूबर 2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में मण्डल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा और भ्रष्टाचार को दूर करने की शपथ दिलाई। इस अभियान के अंतर्गत मंडल पर कई प्रकार के कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे रेलवे कर्मचारियों को अपने कार्य के प्रति सत्यनिष्ठा बनाए रखने हेतु जागरूक किया जा सके। शर्मा ने सभी से भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए अपने दैनिक कामकाज में ईमानदारी के मूल्यों को शामिल करने का आह्वान किया। रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को ''राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा'' को बनाए रखने तथा आपसी भाईचारे के साथ मिलजुल कर रहने तथा सत्य निष्ठा बनाए रखने की शपथ दिलाई।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न मरम्मत कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6वीं मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008, निम्नानुसार दिए गए विवरण के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित करता है।

क्र. सं.	निविदा सूचना सं. व दिनांक	निविदा सूचना सं. व दिनांक	कार्य की अंदाजित किमत रु. में	ईएमडी रु.
1	बीसीटी/24-25/193 दि. 24.10.2024	विरार जोरावासन खंड: एडीईएन/वलसाड के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत वलसाड में स्टाफ क्वार्टरों में सुधार और मौजूदा रेलवे अस्पताल की मरम्मत।	3,92,74,838.42	3,46,400/-
2	बीसीटी/24-25/194 दि. 24.10.2024	विरार - जोरावासन खंड: जीर्ण-शीर्ण चारदीवारी के स्थान पर उच्च मूल्य वाली दुकानों के चारों ओर चारदीवारी का निर्माण।	2,47,35,181.91	2,73,700/-
3	बीसीटी/24-25/195 दि. 24.10.2024	विरार - जोरावासन खंड: जेडएमसी वलसाड में अल्पकालिक मरम्मत और सहायक सिविल कार्य जैसे पीएफ, स्टेशन भवन, सेवा भवन, परिसंचारी क्षेत्र, स्टाफ क्वार्टर आदि की मरम्मत, जो सीनियर डीईएन/उत्तर/एमएमसीटी के अधिकार क्षेत्र में है।	2,54,18,149.45	2,77,100/-

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए, प्रस्तुत करने की तिथि और समय: 19.11.2024, 15:00 बजे तक। खोलने की तिथि और समय: 19.11.2024, 15:30 बजे। कार्य की विस्तृत प्रकृति, निविदा दस्तावेज की लागत (गैर-वापसी योग्य), ईएमडी, पात्रता मानदंड, कार्य की समान प्रकृति, विस्तृत निविदा शर्तों के बारे में, कृपया www.ireps.gov.in पर जाएं। मैनुअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। 0673

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly हमें फोलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95